डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय

जनवरी 2022

कार्यक्रम — **विश्वविद्यालय के डिजिटल कैलेंडर का कुलपति ने किया विमोचन**

नव वर्ष डा. गौर के संकल्पों को साकार करने का वर्ष होगा

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वर्ष 2022 के डिजिटल कैलेंडर का शुक्रवार को विवि में विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। डिजिटल स्क्रीन पर बटन दबाकर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कैलेण्डर का विमोचन करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष विश्वविद्यालय के संस्थापक डा. गौर के संकल्पों को साकार करने का वर्ष होगा।

डा. गौर ने विश्वविद्यालय के माध्यम से जिन सपनों को देखा था, उसको साकार करने की दिशा में पूरा विश्वविद्यालय परिवार संकल्पित है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष के कैलेंडर को डा. गौर को समर्पित करते हुए उनकी पूरी जीवन यात्रा को दर्शाया गया है। उनके दुर्लभ चित्रों का संकलन और संयोजन करके प्रत्येक महीने में क्रमशः उनके जीवन वृत्त को कलात्मकता के साथ उकेरा गया है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विवि के कैलेंडर का विमोचन कर अपने विचार रखे। • नवदुनिया

कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि नए साल से नया सवेरा होगा। हर महीने के पन्ने पलटते समय डा. गौर के संकल्प हमारी स्मृति में रहेंगे और हम सभी असीम ऊर्जा के साथ हर दिन रचनात्मक कार्य कर सकेंगे जिससे निश्चित रूप से विश्वविद्यालय को एक नई ऊंचाई मिलेगी।

उन्होंने डिजिटल कैलेंडर समिति के सभी सदस्यों को कलात्मक और आकर्षक डिजिटल कैलेण्डर तैयार करने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर कुलसचिव संतोष सोहगौरा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, समिति के समन्वयक डा. ललित मोहन, सदस्य डा. पंकज तिवारी, डा. छबिल कुमार मेहेर, डा. कालीनाथ झा, विवेक जायसवाल, डा. अनुराग श्रीवास्तव, माधव चंद्रा, सहायक कुलसचिव आरके पाल, डा. मुकेश साहू सहित कई शिक्षक और अधिकारी उपस्थित थे।

सागर विवि के 2022 के डिजिटल कैलेंडर का विमोचन, कुलपति ने कहा- डॉ. गौर के संकल्पों को साकार करेंगे

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वर्ष 2022 के डिजिटल कैलेंडर का विमोचन शुक्रवार को किया गया। इसमें डिजिटल स्क्रीन पर बटन दबाकर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कैलेंडर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर के संकल्पों को साकार करने का वर्ष होगा। डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय के माध्यम से जिन सपनों को देखा था, उनको साकार करने की दिशा में पूरा विश्वविद्यालय परिवार संकल्पित है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष के कैलेंडर को डॉ. गौर को समर्पित करते हुए उनकी पूरी जीवन यात्रा को दर्शाया गया है। इस अवसर पर कुलसचिव संतोष सोहगौरा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, समिति के समन्वयक डॉ. ललित मोहन, सदस्य डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. छबिल कुमार मेहेर, डॉ. कालीनाथ झा, विवेक जायसवाल आदि मौजूद थे।

अलग-अलग स्थानों से मिल रहे हैं।

कुलपति और कलेक्टर ने किया नवदुनिया के कैलेंडर का विमोचन

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। नवदुनिया द्वारा प्रकाशित किए गए वार्षिक कैलेंडर का बुधवार को विमोचन हुआ। डा. हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता व कलेक्टर दीपक आर्य ने इस कैलेंडर का विमोचन किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. गुप्ता ने नवदुनिया द्वारा बनाए गए कैलेंडर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इसमें तीज-त्योहारों के साथ-साथ अन्य जानकारियों को समाहित किया है, जो सभी के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। वहीं कलेक्टर श्री आर्य ने भी इसको बहपुयोगी बताया। पाठकों ने भी कैलेंडर मिलने के बाद खुशी जाहिर करते हुए कैलेंडर में एकत्रित की गई जानकारी व प्रिंटिंग आदि को लेकर प्रशंसा की। दुकानदारों ने जहां अपनी दुकानों में कैलेंडर को लगा लिया वहीं घरों में भी इसे लगाया गया। इस दौरान डा. हरी सिंह गौर विवि के डिप्टी रजिस्टार सतीष कुमार सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

नवदुनिया के कैलेंडर का विमोचन करते कलेक्टर दीपक आर्य।

कुलपति कार्यालय में कैलेंडर का विमोचन करतीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता।

बेसब्री से रहता है इंतजार: नवदुनिया के पाठक नीरज जैन ने कहा कि नवदुनिया का वार्षिक कैलेंडर बहुत ही आकर्षक है। इसमें सभी महत्वपूर्ण तिथि, वार की जानकारी है।

इसके साथ ही दैनिक जीवन में उपयोग आने वाले सभी महत्वपूर्ण नंबरों को भी दिया गया है। हम वर्षों से नवदुनिया के पाठक हैं। पूरे साल कैलेंडर को संजो के रखते हैं।

विवि में तीस साल बाद होगा दीक्षांत समारोह

नए साल में उम्मीद ● डिजिटल कक्ष से होगी पढ़ाई, वर्ष 2022 में शिक्षा क्षेत्र में होंगा सुधार, प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक बदलेंगे हाल

उम्मीदें 2022

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। शिक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने वाले डा. हरीसिंह गौर के नगर में वर्ष 2022 कई उम्मीद व संभावना लेकर आ रहा है। इस साल प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षा के संसाधनों में इजाफा होगा। विद्यालय से लेकर महाविद्यालय व विश्वविद्यालय तक कई सुविधाओं व संसाधनों का विस्तार होगा। सागर विश्वविद्यालय में तीस साल बाद दीक्षांत समारोह होगा। सागर शहर में स्मार्ट सिटी द्वारा तैयार किए गए स्मार्ट कक्षों से विद्यार्थियों को और बेहतर शिक्षा मिलेगी।

कौशल विकास के लिए सागर में 23 करोड़ की लागत से बन रहे मेगा आइटीआइ का काम पूरा होगा। वहीं शासकीय कन्या महाविद्यालय का भवन बनकर तैयार हो गया है। नए साल में वहां पर महाविद्यालय की शिफ्टिंग होगी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में पानी की समस्या है, वहां जल-जीवन मिशन के तहत पानी की सुविधा पहुंचाई जाएगी। नरयावली, बांदरी, जैसीनगर, खिमलासा व मालथौन आदि में जहां महाविद्यालय तो चालू हो चुके हैं, लेकिन स्वयं का भवन नहीं है। वहां वर्ष 2022 तक नए भवन भी बनकर तैयार होंगे। वहीं सागर जिले के प्रत्येक ब्लाक में एक सीएम राइज स्कूल का चयन हुआ है। यहां अंग्रेजी माध्यमों की स्कूल की तरह सभी सुविधाएं जुटाकर विद्यार्थियों को पढ़ाई कराई जाएगी। फिलहाल सागर मुख्यालय पर भवन निर्माण का काम शुरू हुआ है। साल के अंत तक यह भवन सभी जगह बनकर तैयार हो जाएंगे। इस सत्र से सीएम राइज स्कूल शुरू होने की संभावना भी है।

विवि में सालों से रिक्त पड़े पदों की होगी भर्ती : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भी कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के आने के बाद कई कार्य हुए है। इसमें से डा. हरीसिंह गौर विवि में करीब तीन साल से नहीं हुआ दीक्षांत समारोह भी वर्ष 2022 में आयोजित किया जाएगा। यह विश्वविद्याल का 30 वां दीक्षांत समारोह होगा। वहीं विश्वविद्यालय में सालों से रिक्त पड़े पदों की भर्ती भी होगी। विवि में जो देशज ज्ञान केंद्र, पर्यावरण विज्ञान अध्यन केंद्र की शुरूआत होगी। नैनो टेक्नालाजी विभाग के भवन में पठन-पाठन शुरू हो जाएगा। विवि में निर्माणाधीन नया बालक छात्रावास की सौगात मिलेगी। वहीं इससे पहले 2021 में विवि में कामधेनु पीठ की स्थापना की गई है। दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना भी हुई। विवि के विधि विभाग में मूट कोर्ट का लोकार्पण हुआ। इस साल ही आचार्य शंकर भवन की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय शिक्षण नीति को लेकर कई संस्थानों से एमओयू साइन हुए।

923 स्कूलों में पहुंचेगा पानी : ग्रामीण क्षेत्र की ऐसी 923 स्कूलें जहां पानी का संकट बना रहता है। वहां जल जीवन मिशन के तहत पानी पहुंचाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक 923 में से करीब ढाई सौ स्कूलों में पानी की व्यवस्था हो चुकी है। वर्ष 2022 में सभी 923 स्कूलों में पानी की सुविधा की संभावना है।

मेगा आइटीआइ की शुरुआत होगी: सागर में संभागीय मुख्यालय पर मेगा आइटीआइ का निर्माण कार्य 20 सितंबर 2018 से किया जा रहा है। इसका काम अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि वर्ष 2022 से इसकी शुरुआत होगी। मेगा आइटीआइ के शुरू होने से एमप्लॉयमेंट स्किल, मेट्रोलॉजी टेस्टिंग लैब, हाइड्रोलिक लैब और वर्कशॉप कैलकुलेशन साइंस, ट्रैक्टर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, वेल्डर, टर्नर, फिल्टर, मोटर व्हीकल मैकेनिक, मैकेनिस्ट आदि ट्रेड के लिए अलग-अलग थ्योरी रूम और ड्राइंग क्लासेस रहेंगे। इसके अलावा लाइब्रेरी, स्टाफ रूम और हर ब्लॉक में टॉयलेट्स की भी व्यवस्था की गई है इसका काम मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। नए सत्र से इसकी शुरुआत हो सकती है।

कन्या महाविद्यालय का नया भवन बना, ग्रामीण क्षेत्र में भी मिलेगी सौगात : सागर में संचालित शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय का नया भवन बनकर तैयार हो गया है। इस साल नए भवन में कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्र नरयावली, मालथौन, खिमलासा व जैसीनगर में महाविद्यालय तो शुरू हो गए हैं, लेकिन वहां अभी भवन नहीं है। सभी जगह भूमि आवंटित हैं। वर्ष 2022 में इन स्थानों पर भी भवन तैयार होने की उम्मीद है। यहां अभी जगह के अभाव में पढ़ाई प्रभावित है। स्टाफ का भी टोटा है।

एक्सीलेंस स्कूल में स्मार्ट कक्ष में पढ़ाई कराती शिक्षिका। नए साल में अन्य 8 स्कूलों में भी इसी तरह पढ़ाई होगी। ● नवदुनिया

एक्सीलेंस स्कूल में बना सेंट्रल स्टूडियो, जहां से आनलाइन पढ़ाई होगी। ● नवदुनिया

नगर में 48 स्मार्ट क्लास रूम बने

स्मार्ट क्लास रूम प्रोजेक्ट में चिन्हित एक्सीलेंस स्कूल, एमएलबी स्कूल, पं. रविशंकर हायर सेकंडरी स्कूल, मोराजी स्कूल लक्ष्मीपुरा, पं. मोतीलाल नेहरु हायर सेकंडरी स्कूल कटरा, गवर्नमेंट मिडिल स्कूल सुभाषनगर, ज्ञानोदय विद्यालय, न्यू केंट गर्ल्स हाईस्कूल, डीएनसीबी हायर सेकंडरी में 48 स्मार्ट कक्ष तैयार किए गए हैं। इन डिजिटल कक्षों ने कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में आनलाइन पढ़ाई में अहम भूमिका निभाई। इन सभी स्मार्ट क्लास रूम को गवर्नमेंट एक्सीलेंस स्कूल में बनने वाले स्मार्ट स्टूडियो से जोड़ा गया। इससे सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को शहर एवं शहर के बाहर के विषय विशेषज्ञों से अध्ययन का लाभ मिल सकेगा। यह काम 2021 में विधिवत शुरू नहीं हो पाया था, लेकिन 2022 में इसका लाभ छात्रों को बेहतर ढंग से मिलेगा। इस योजना के तहत नगर में अब तक 84 स्मार्ट क्लास रूम, 9 डिजिटल आइटी लैब, सात साइंस लैब एवं एक सेंट्रल स्टूडियो बनाया गया है। स्मार्ट कक्षाओं से पढ़ाने के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

हर ब्लॉक में बनेगा सीएम राइज स्कूल

प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर जिले में 11 स्कूलों को सीएम राइज योजना के तहत अपडेट किया जा रहा है। जिले की प्रत्येक ब्लाक में एक-एक स्कूल का चयन हुआ है। सागर में एलएलबी स्कूल परिसर में इसके काम की शुरुआत हो चुकी है। इस स्कूल में स्ट्रेक्चर, स्टॉफ सहित तमाम तरह की सुविधाएं प्राइवेट स्कूलों की तरह ही रहेगीं। इन स्कूलों में हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी पढ़ाई होगी, शालाओं में अधुनिक उपकरण के साथ-साथ बच्चो के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक व साहित्यक गतिविधियों में आगे बढ़ाया जाएगा सीएम राइज शालाओं को सीबीएसई की मान्यता दिलाई जाएगी। यह नर्सरी से 12वीं तक एकीकृत शाला होगी। इसी भवन परिसर में शिक्षकों के आवास भी बनाए जाएंगे।

दीक्षांत समारोह सहित अन्य आयोजन होंगे

विश्वविद्यालय की ओर से इस साल दीक्षांत समारोह का आयोजन कराया जाएगा। वहीं विश्वविद्यालय में सालों से रिक्त पड़े पदों की भर्ती भी होगी। देशज ज्ञान केंद्र, पर्यावरण विज्ञान अध्यन केंद्र की शुरूआत होगी। नैनो टेक्नालाजी विभाग के भवन में पठन-पाठन शुरू करने सहित अन्य काम भी इस साल किए जाएंगे।

प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि, सागर

नए भवन मिलेंगे

नरयावली, खिमलासा, मालथौन, जैसीनगर आदि जगहों पर संचालित महाविद्यालयों के भवन बनाने की स्वीकृति व बजट का आवंटन हो चुका है। सभी जगह भवन इस साल तैयार होंगे। वहीं 70 सहायक प्राध्यापकों के पद भरने की उम्मीद है। वहीं सभी महाविद्यालयों में डिजिटल कक्ष बनाए जाएंगे। इसके अलावा ई लाइब्रेरी भी महाविद्यालयों में शुरू की जाएगी।

डा. जीएस रोहित, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, सागर

शहर में स्मार्ट कक्षाओं से पढ़ाई शुरू होगी

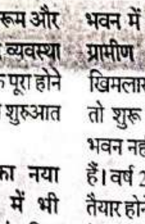

दो साल से कोरोना संक्रमण के चलते पढ़ाई प्रभावित है। इस साल यदि कोरोना की संभावित तीसरी लहर नहीं आई तो शिक्षा सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शहर में डिजिटल कक्ष तैयार है, जहां से पढ़ाई कराई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लक्ष्य बनाकर शिक्षा सुधार पर काम किया जा रहा है। जहां भवन, मैदान या जल सहित अन्य संसाधन का अभाव है, वहां पूर्ति की जाएगी। सीएम राइज योजना के तहत भी प्रत्येक ब्लॉक में काम हो रहा है।

अजब सिंह ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी, सागर

नए वर्ष की अधिवक्ता डायरी का हुआ विमोचन

सागर | शुक्रवार को एडीआर भवन के सभागार में नए वर्ष की अधिवक्ता डायरी का विमोचन एवं वितरण हुआ। डॉ.हरिसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, प्रधान जिला न्यायाधीश देवनारायण मिश्र एवं प्रो.पीपी सिंह ने किया। कुलपति ने अधिवक्ता डायरी में गौर साहब का चित्र का उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ.गौर सागर के प्रत्येक व्यक्ति के ह्रदय में बसे हुए हैं। जिला न्यायाधीश ने कहा कि हम सब की सार्थकता लोगों को न्याय प्रदान करने में है। कार्यक्रम में डॉ. अंकलेश्वर दुबे अन्नी ने अधिवक्ता की डायरी की विशेषता पर प्रकाश डाला।

अधिवक्ता डायरी का किया विमोचन

सागर। जिला अधिवक्ता संघ ने नव वर्ष में अधिवक्ता डायरी का विमोचन किया गया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष डा. अंकलेश्वर दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में शुभारंभ कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, प्रधान न्यायाधीश देवनारायण मिश्रा, विवि विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीपी सिंह ने किया। कुलपति ने कहा कि डायरी में डा. गौर का चित्र बताता है कि डा. गौर प्रत्येक व्यक्ति के ह्रदय में बसे हैं। इस दौरान अजय श्रीवास्तव, सुंदरलाल श्रीवास्तव, एड. रामदासराज, राजू सराफ, संदीप चौबे, केके दुबे, गोपाल तिवारी आदि मौजूद थे।

विवि में ऑन लाइन सेमीनार आज

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में सोमवार को सावित्रीबाई फुले की जन्मजयंती के उपलक्ष्य पर आजादी की लड़ाई और शिक्षा का विमर्श विषय पर एक ऑन लाइन सेमीनार आयोजित किया जा रहा है। इसमें मुख्य वक्ता दिल्ली विवि शिक्षा संकाय के पूर्व प्रोफेसर व डीन डॉ. अनिल सदगोपाल मौजूद रहेंगे। वर्ष 2017 में पंडित मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा टीचिंग लर्निंग सेंटर की स्थापना की गई थी। इस भवन में सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित की गई है। देश में कुल 25 टीएलसी स्थापित है, जिसमें सागर विश्वविद्यालय का टीएलसी, देश का एकमात्र शिक्षण अधिगम केंद्र है, जो समाजविज्ञान विषय में कार्य करने के लिए स्थापित किया गया है। टीएलसी में वर्तमान में 10,000 पुस्तके, पत्रिकाएं, राष्ट्रीय महत्व के नीतिगत दस्तावेज उपलब्ध हैं। खासबात यह है कि इसमें इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ब्रिटानिका की 110 वर्ष पुरानी बहुमूल्य मूलप्रति केंद्र में उपलब्ध है।

सावित्री बाई फूले जयंती पर ऑनलाईन व्याख्या

वि.वि. में आजादी की लड़ाई और शिक्षा का विमर्श विषय पर व्याख्यान आज

सागर आचरण

3 जनवरी सावित्री बाई फूले की जयंती पर वि.वि. में एक ऑनलाईन व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है। वि.वि. के समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केन्द्र, सावित्री बाई फूले भवन में आयोजित इस व्याख्यान का विषय-आजादी की लड़ाई और शिक्षा का विमर्श रखा गया है। दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होने वाले व्याखान के मुख्य वक्ता दिल्ली वि.वि. शिक्षा संकाय के पूर्व प्रोफेसर व डीन प्रो.अनिल सदगोपाल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विषय प्रवर्तन एवं वक्ता परिचय दर्शनशास्त्र प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा एवं आभार कुलसचिव संतोष साहगौरा व्यक्त करेंगे। यह व्याख्यान वि.वि. के समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केन्द्र एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। यह व्याख्यान आजादी के अमृत महोत्सव व्याख्यान श्रंखला की कड़ी का हिस्सा है।

आयोजन • सावित्रीबाई फुले की 191वीं जयंती पर आज़ादी की लड़ाई एवं शिक्षा का विमर्श विषय पर हुआ व्याख्यान

शिक्षा ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का बड़ा साधन: प्रो. सदगोपाल

भास्कर संवाददाता | सागर

सावित्रीबाई फुले की 191वीं जयंती के अवसर पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र के द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। आजादी की लड़ाई एवं शिक्षा का विमर्श विषय पर हुए व्याख्यान के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व डीन प्रो. अनिल सदगोपाल थे। प्रो. सदगोपाल ने कहा कि शिक्षा, सामाजिक-राजनैतिक मूल्य और जन-चेतना ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन है। उन्होंने जन शिक्षा के लिए सियाजीराव गायकवाड, सावित्रीबाई फुले, ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ. अम्बेडकर आदि के समृद्ध योगदान को महत्वपूर्ण बताया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष और समाज सुधार के प्रति उनकी निष्ठा को आजादी के बाद निर्मित लोकतांत्रिक समाज के लिए अनिवार्य शर्त बताया। प्रो. गुप्ता ने टीएलसी के द्वारा किए गए कार्यों के प्रशंसा करते हुए केंद्र के द्वारा संचालित पुस्तकालय, प्रशिक्षण कार्यों एवं सेल्फ सस्टेन मॉडल के रूप में स्थापित होने की सराहना की। उन्होंने बताया कि टीएलसी देश का एक मात्र केंद्र है जो समाजविज्ञान विषय पर काम कर रहा है। विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि आजादी की लड़ाई मूल्यों की लड़ाई थी, इसी कारण आज भी हम उसी लड़ाई से जागृत होते हैं। शिक्षा के माध्यम से ही इन मूल्यों को आत्मसात किया जा सकता है।

केंद्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए केंद्र समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि सागर का टीएलसी शीघ्र ही भारत सरकार की विभिन्न शिक्षायी परियोजना के संदर्भ में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आफरीन खान ने किया और आभार विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

आयोजन | आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत हुआ व्याख्यान

जन-चेतना उपनिवेशवाद से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र के तत्वावधान में सावित्रीबाई फुले की 191वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले भवन में उनकी प्रतिमा पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा माल्यार्पण करके की गई। इसी क्रम में आज़ादी के अमृत महोत्सव व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आज़ादी की लड़ाई एवं शिक्षा का विमर्श विषय पर प्रो. अनिल सदगोपाल ने व्याख्यान दिया।

शिक्षा जमीन अनुभव और संघर्ष का विमर्श : प्रो. सदगोपाल

प्रख्यात चिन्तक एवं शिक्षाविद् प्रो. सदगोपाल ने शिक्षा, सामाजिक-राजनैतिक मूल्य और जन-चेतना को ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बतलाया। उन्होंने जन शिक्षा के लिए सियाजीराव गायकवाड़, सावित्रीबाई फुले, ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ. अम्बेडकर आदि के समृद्ध योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

सावित्रीबाई फुले लोकतांत्रिक समाज की निर्माता: प्रो. गुप्ता

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष और समाज सुधार के प्रति उनकी निष्ठा को आज़ादी के बाद निर्मित लोकतांत्रिक समाज के लिए अनिवार्य शर्त बताया. प्रो. गुप्ता ने टीएलसी के द्वारा किये गये कार्यों के प्रशंसा करते हुए केंद्र के द्वारा संचालित पुस्तकालय, प्रशिक्षण कार्यों एवं सेल्फ सस्टेन मॉडल के रूप में स्थापित होने की सराहना की. उन्होंने बताया कि टीएलसी देश का एक मात्र केंद्र है जो समाजविज्ञान विषय पर काम कर रहा है।

यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है. देश में समाजविज्ञान के क्षेत्र में गुणात्मक विकास हो सके इसके लिए केंद्र नवाचारी तरीकों से लगातार कार्यशील है. उन्होंने केंद्र का निरीक्षण कर गतिविधियों के बारे में जानकारी ली और नई गतिविधियों की शुरुआत करने के लिए दिशा-निर्देश भी दिए।

आज़ादी की लड़ाई मूल्यों की लड़ाई थी : प्रो. अम्बिकादत्त

विषय प्रवर्तन करवे हुए प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि आज़ादी की लड़ाई मूल्यों की लड़ाई थी, इसी कारण आज भी हम उसी लड़ाई से जागृत होते है. शिक्षा के माध्यम से ही इन मूल्यों को आत्मसात किया जा सकता है. केंद्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए केंद्र समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि सागर का टीएलसी शीघ्र ही भारत सरकार की विभिन्न शिक्षायी परियोजना के संदर्भ में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

कोरोना महामारी के समय इस केंद्र ने कई कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं आयोजित की। जिससे इस केंद्र को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान भी मिली. कार्यक्रम का संचालन डॉ. आफरीन खान एवं आभार विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र एवं देश भर के शिक्षा विमर्श के जानकार एवं शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

सावित्रीबाई फुले की 191वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र के तत्वाधान में सावित्रीबाई फुले की 191वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले भवन में उनकी प्रतिमा पर कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता के द्वारा माल्यार्पण करके की गई। प्रख्यात चिन्तक एवं शिक्षाविद् प्रो. सदगोपाल ने शिक्षा, सामाजिक-राजनैतिक मूल्य और जन-चेतना को ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बतलाया. उन्होंने जन शिक्षा के लिए सियाजीराव गायकवाड़, सावित्रीबाई फुले, ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ. अम्बेडकर आदि के समृद्ध योगदान को महत्वपूर्ण बताया, अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष और समाज सुधार के प्रति उनकी निष्ठा को आज़ादी के बाद निर्मित लोकतांत्रिक समाज के लिए अनिवार्य शर्त बताया। टीएलसी के द्वारा किये गये कार्यों के प्रशंसा करते हुए केंद्र के द्वारा संचालित पुस्तकालय, प्रशिक्षण कार्यों एवं सेल्फ सस्टेन मॉडल के रूप में स्थापित होने की सराहना की। टीएलसी देश का एक मात्र केंद्र है जो समाजविज्ञान विषय पर काम कर रहा है यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है।

विषय प्रवर्तन करते हुए प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा आज़ादी की लड़ाई मूल्यों की लड़ाई थी, इसी कारण आज भी हम उसी लड़ाई से जागृत होते है. शिक्षा के माध्यम से ही इन मूल्यों को आत्मसात किया जा सकता है। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ.आफरीन खान एवं आभार विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

चुनौतियों का सामना करते हुए नए लक्ष्य हासिल करें: कुलपति

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में नव वर्ष मिलन समारोह में बोलते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोविड-19 की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित करना पड़ा. सुख और दुःख मनुष्य के जीवन के पहलू हैं. दुखों, कठिनाइयों, चुनौतियों का सामना करते हुए हमें संकल्प के साथ नए मुकाम हासिल करना है. हर नया वर्ष व्यक्ति के जीवन में नया सवेरा लाता है. नए सवेरे की शुरुआत उमंग, उत्साह ऊर्जा और प्रसन्नता से होती है. अपनी जीवनचर्या में इन्हें शामिल करते हुए कार्य करना चाहिए. नए साल को लेकर सभी के मन में कुछ न कुछ सपने होंगे, उन्हें पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि कोरोना संकट का दौर जल्द ही खत्म होगा लेकिन इन सबके बीच ही हमें अपने संकल्पों, लक्ष्यों को नहीं भूलना चाहिए. कोविड महामारी से सावधान रहना भी उतना ही आवश्यक है. मैं आशा करती हूँ कि एक अकादमिक संस्थान के सदस्य होने के नाते इस परिवार के सभी सदस्य मिलजुलकर अकादमिक और सांस्थानिक कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और जो भी चुनौतियां आयेंगी, उनका सामूहिक हौसले से सामना करेंगे. उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं. कार्यक्रम में प्रो. जे.डी. आही, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. पी के कठल, डॉ. ललित मोहन, प्रो. आर टी बेदरे, डॉ. पंकज सिंह, उपकुलसचिव संतीश कुमार, डॉ. वन्दना विनायक, अजब सिंह ने नए वर्ष की नई आशाओं के साथ अपने वक्तव्य दिए और सभी को नए वर्ष की बधाई प्रेषित की. कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया और नए वर्ष की बधाई देते हुए सभी के प्रति आभार माना।

शिक्षा से मिली उपनिवेश वाद से मुक्ति : अनिल

नवभारत न्यूज

सागर 4 जनवरी. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र के तत्वाधान में सावित्रीबाई फुले की 191 वीं जयंती मनाई गई.

इस अवसर पर आजादी की लड़ाई एवं शिक्षा का विमर्श विषय पर प्रो. अनिल सदगोपाल ने शिक्षा, सामाजिक-राजनैतिक मूल्य और जन.चेतना को ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बतलाया. उन्होंने जन शिक्षा के लिए सियाजीराव गायकवाड, सावित्रीबाई पुले, ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ. अम्बेडकर आदि के योगदान को महत्वपूर्ण बताया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष और समाज सुधार के प्रति उनकी निष्ठा को आजादी के बाद निर्मित लोकतांत्रिक समाज के लिए अनिवार्य शर्त बताया. विषय प्रवर्तन प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने किया. केंद्र का प्रतिवेदन समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने प्रस्तुत किया. संचालन डॉ. आफरीन खान एवं आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना.

विश्वविद्यालय में अब ई-रिसोर्स के रिमोट एक्सेस की सुविधा

आचरण संवाददाता।

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय के तत्तवावधान में ई-रिसोर्स के ऑफ कैम्पस एक्सेस 'रिमोट लॉग इन' वेबसाईट का अनावरण हुआ। मुख्य अतिथि इन्फ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जूरेल एवं कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति में वेबसाईट का ऑनलाइन अनावरण किया गया। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि आज के समय में डिजिटल रिसोर्स काफी महत्तवपूर्ण हो गया है।

वर्तमान कोरोना के दौर में ज्ञान के संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक तरीके चुनौतीपूर्ण भरे हैं। डिजिटल युग में ई-रिसोर्स की उपलब्धता पढ़ने-पढ़ाने में सहायक है। अभी तक विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध ई-संसाधनों का उपयोग विश्वविद्यालय परिसर में ही आने पर हो पाता था लेकिन अब विद्यार्थी शोधार्थी और शिक्षक कभी भी कहीं से भी इन ऑनलाइन ज्ञान संसाधनों का उपयोग कर पायेंगे। यह विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने ज्ञान के आदान-प्रदान में सहायक इस सुविधा की शुरुआत के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि प्रो.जूरेल ने कहा कि अभी तक ई-संसाधन सीमित क्षेत्र में ही होता था लेकिन अब यह विश्वविद्यालय भी एक ऐसी सुविधा अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रदान कर रहा है। देश के चुनिंदा संस्थानों में ही इस तरह की सुविधा है।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने इन्फ्लिबिनेट के सहयोग से इन्डियन एक्सेस मैनेजमेंट फेडरेशन की सदस्यता लेते हुए ई-संसाधनों के रिमोट एक्सेस की शुरुआत करने जा रहा है।

इन्फ्लिबिनेट के वैज्ञानिक वी.राजा ने ई.रिसोर्स के पोर्टल के उपयोग के लिए तकनीकी पक्षों पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागी शिक्षकों एवं शोधार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो.यू.के.पाटिल ने किया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का तकनीकी समन्वयन किया और बताया कि ई-रिसोर्स के रिमोट एक्सेस के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड सभी को उपलब्ध करा दिया गया है। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो.पीपी सिंह, प्रो.हेरल थॉमस, प्रो.एपी मिश्रा, डॉ. पुष्पल घोष, डॉ. रणजीत रजक सहीं कई शिक्षक एवं शोधार्थी ऑनलाइन उपस्थित थे।

समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र की कार्यप्रणाली समझने पहुंचा प्रेमजी का दल

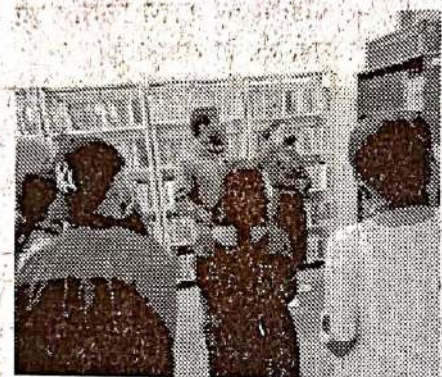

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाजविज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों को जानने और समझने के लिए अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रशिक्षु, एसोसिएट और मेंटर समूह के सदस्यों ने भ्रमण किया। केंद्र के अवलोकन के दौरान ने शिक्षण अधिगम केंद्र के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा ने बताया देश में कुल 25 टीएलसी स्थापित है, जिसमें सागर विश्वविद्यालय का टीएलसी, देश का एकमात्र शिक्षण अधिगम केंद्र है, जो समाजविज्ञान विषय में कार्य करने के लिए स्थापित किया गया है। यह विषयवस्तु, संदर्भ और कक्षा गतिविधियों में स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर पर सामाजिक विज्ञान शिक्षकों को सशक्त बनाने का एक बहु-उद्देश्यीय केंद्र है। यह केंद्र मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान विषयों में सीखने-सिखाने के नवाचारी तरीकों को कक्षाओं में प्रभावी रूप से इस्तेमाल करने की पद्धति को विकसित करने के लिए कार्य कर रहा है। यह केंद्र सरकारी स्कूलों, सामुदायिक स्कूलों और समुदाय के बीच मौजूद अन्तराल को कम करने के लिए प्रयासरत है। सामाजिक परोपकार के अपने लक्ष्य के अंतर्गत इस केंद्र ने अभी हाल ही में कई बहुमूल्य पुस्तकें, शोध पत्रिकायें, भारतीय संस्कृति के ग्रन्थ. शिक्षा नीति के दस्तावेज़ और इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ब्रिटानिका आदि प्राप्त किया है. टीएलसी के द्वारा अब तक 5000 से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों, टीचर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है. कई शिक्षा संस्थानों के साथ अकादमिक अनुबंध के साथ अकादमिक दक्षता उन्नयन कार्य किया जा रहा है। सामाजिक विज्ञान के लिए राष्ट्रीय स्तर के संसाधन केंद्र की स्थापना की गई है जिसमे भारत के सभी राज्यों से 10,000 से अधिक किताबें, शिक्षण सामग्री, स्कूल स्तर की पाठ्यपुस्तकों का संग्रह विद्यमान है. अवलोकन के दौरान इस दल में बिहार, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, आसाम, त्रिपुरा, राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे।

विवि में कचरा प्रबंधन कमेटी का गठन ,स्वच्छता पर रखेगी नजर

आचरण प्रतिनिधि

सागर-डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संपूर्ण कैंम्पस में स्वच्छता के तहत वेस्ट मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी संपूर्ण क्षेत्र में कचरा प्रबंधन के तहत आवश्यक कार्य संपादित करेगी। साथ ही कमेटी के सदस्य कचरा प्रबंधन की संपूर्ण प्रकिया पर नजर भी रखेगी। विवि के कुल सचिव द्वारा जारी कमेटी सदस्यों में वेस्ट मेनेजमेंट कमेटी के नोडल अधिकारी रसायन शास्त्र विभाग के डा. नीरज उपाध्याय को किया गया है वही कनवीयर डा. विमलेश चंद्र नियुक्त हुए है। कमेटी में 6 सदस्य भी बनाए गए हैं जिसके तहत आई टी सेल के प्रोफेसर इन चार्ज,रजिस्टार द्वारा नामित एक सदस्य, वित्तअधिकारी द्वारा नामित सदस्य, ई एम आर सी के डायरेक्टर स्वास्थ एवं स्वच्छता विभाग के इंचार्ज तथा विवि इंजीनियर को कमेटी में सदस्य बनाया गया है।

विवि में अब शैक्षणिक एवं रिसर्च गतिविधियां सप्ताह में छह दिन

सागर आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में अब शैक्षणिक एवं रिसर्च से जुड़ी गतिविधियां हफ्ते के छहो दिन निर्बाध गति से चलेगी। मंगलवार को इस आशय के आदेश जारी करते हुए विवि के कुल सचिव ने बताया कि विवि की एपीसी मिटिंग में 15 दिसंबर 2021 को लिए निर्णय के अनुसार शैक्षणिक सत्र 20021-22 में विलंब न हो तथा समय पर पाठयक्रम पूरा हो जाए इसलिए विवि के सभी टीचिंग डिपार्टमेंट अब प्रत्येक शनिवार को भी खुले रहेंगे। इस तरह अब सप्ताह में छह दिन विवि में शैक्षणिक गतिविधियां और रिसर्च वर्क जारी रहेगा।

यूटीडी ने बीटीआईई टीम को 44-37 से हराकर जीती अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल पुरुष प्रतियोगिता

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा हो रही अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल पुरुष प्रतियोगिता का शनिवार को फाइनल मैच यूटीडी एवं बीटीआईई के बीच हुआ। जिसमें यूटीडी टीम ने बीटीआइई टीम को 7 अंक (44-37) से हराया। यूटीडी टीम के सत्यम यादव ने सर्वाधिक 20, अरविंद कुंडल ने 10, शुभांशु ने 4, सत्यार्थ ने 4, कृतार्थ, सौरभ पाठक और दीवान निशांत ने 2-2 अंक बनाए। बीटीआइई टीम से सूर्यांश सिंह ने 18 एवं आकाश गुरंग ने 10 अंकों का योगदान दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. जीएस रोहित ने विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी दी। इस मौके पर खेल विशेषज्ञ विनय मलैया, संचालक प्रतिनिधि अनवर खान, बीटीआइई के प्राचार्य डॉ. राजू टंडन, डॉ. नीरज दुबे, डॉ. उमाकांत स्वर्णकार, गौरव भट्ट, आकाश लिटोरिया आदि मौजूद थे। निर्णायक पंकज यादव, आलोक, निहाल एवं दीपक थे।

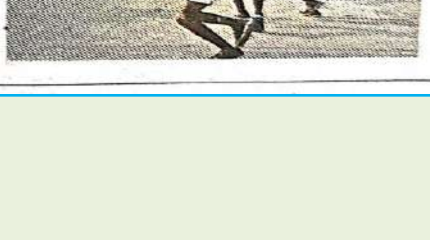

विवि में अब ई-रिसोर्स के रिमोट एक्सेस की सुविधा

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय के तत्वावधान में ई-रिसोर्स के आफ कैम्पस एक्सेस यरिमोट लाग इन वेबसाइट का अनावरण हुआ। मुख्य अतिथि इन्फ्लिबिनेट के निदेशक प्रो. जेपी सिंह जूरेल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति में वेबसाइट का आनलाइन अनावरण किया गया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज के समय में डिजिटल रिसोर्स काफी महत्वपूर्ण हो गया है। वर्तमान कोरोना के दौर में ज्ञान के संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक तरीके चुनौतीपूर्ण भरे हैं। डिजिटल युग में ई-रिसोर्स की उपलब्धता पढने-पढ़ाने में सहायक है। अभी तक विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध ई-संसाधनों का उपयोग विवि परिसर में ही आने पर हो पाता था, लेकिन अब विद्यार्थी, शोधार्थी और शिक्षक कभी भी कहीं से भी इन आनलाइन ज्ञान संसाधनों का उपयोग कर पाएंगे। यह विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

चुनिंदा संस्थानों में इस तरह की सुविधा : मुख्य अतिथि प्रो. जूरेल ने कहा कि अभी तक ई-संसाधन सीमित क्षेत्र में ही होता था, लेकिन अब यह विश्वविद्यालय भी एक ऐसी सुविधा अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रदान कर रहा है। देश के चुनिंदा संस्थानों में ही इस तरह की सुविधा है।

डा. गौर विवि मप्र का पहला विश्वविद्यालय है जिसने इन्फ्लिबिनेट के सहयोग से इन्डियन एक्सेस मैनेजमेंट फेडरेशन की सदस्यता लेते हुए ई-संसाधनों के रिमोट एक्सेस की शुरुआत करने जा रहा है। इन्फ्लिबिनेट के वैज्ञानिक वी राजा ने ई-रिसोर्स के पोर्टल के उपयोग के लिए तकनीकी पक्षों पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागी शिक्षकों एवं शोधार्थियों को आनलाइन प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. यूके पाटिल ने किया। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा. अनुराग श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का तकनीकी समन्वयन किया और बताया कि ई-रिसोर्स के रिमोट एक्सेस के लिए यूजर आइडी और पासवर्ड सभी को उपलब्ध करा दिया गया है। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रो. पीपी सिंह, प्रो. हेरेल थामस, प्रो. एपी मिश्रा, डा. पुष्पल घोष, डा. रणजीत रजक उपस्थित थे।

विवि ने एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए बनाई छह सदस्यीय कमेटी

सागर आचरण

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऑल इण्डिया एनआईआरएफ रैंकिंग में विवि के अच्छे प्रदर्शन के लिए एक चेयरमेन सहित छह सदस्यीय कमेटी बनाई है। बता दें कि विवि की इस ऑल इण्डिया रैंकिंग से विवि में छात्रों के अच्छी संख्या में प्रदेश, छात्रों के नौकरी लगने की संभावनाएं, अन्य संस्थाओं से संबद्धता सहित हायर एजूकेशनल इंस्टीट्यूशन से रिसर्च आदि के लिए पर्याप्त फंडिग के द्वार खुल जाते हैं। विश्वविद्यालयों की ऑल इण्डिया रैंकिंग के लिए भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने 200 वर्ष 2016 में नेशनल इंस्टीट्यशनल फेम वर्क (एनआईआरएफ) का गठन किया था। इस महत्वपूर्ण रैंकिंग प्रक्रिया के चलते विवि ने छह सदस्यीय कमेटी गठित की है। जो विवि की शैक्षणिक, अकादमिक सहित अन्य गतिविधियों की गुणवत्ता पर नजर रखेगी।

ये हैं कमेटी मेम्बर

विवि के रजिस्ट्रार द्वारा घोषित कमेटी में प्लानिंग एण्ड रिसोर्स जनरेशन के डारेक्टर को चेयरमेन बनाया गया है। पांच सदस्यीय सदस्यों में आईक्यूएसी के डारेक्टर, रसायन शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रो. डॉ. रितु यादव, एन्थ्रोपोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. केबी जोशी एवं जवाहरलाल नेहरू लायब्रेरी में सहायक लाइब्रेरियन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव शामिल हैं।

अवगत कराया। ...पादन और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी चर्चा की।

अमृत महोत्सव

छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों का आकाशवाणी से होगा प्रसारण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव की विश्वविद्यालय इकाई एवं आकाशवाणी सागर के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में भाषण प्रस्तुति एवं स्वर परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निशाद, उद्घोषक जयशेखर, तकनीकी सहयोगी आदिल खान व हेमंत तिवारी उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी डॉ. ललित मोहन के निर्देशन में कार्यक्रम का समन्वयन संगीत विभाग के डॉ. अवधेश सिंह तोमर व डॉ. राहुल स्वर्णकार ने किया।विश्वविद्यालय के काजोल साहू, भावना साहू, वैभव घुरिया, मनीष सोनी, अपूर्वा भदोरिया, राशि सोनी, सुरभि तिवारी, कृति लिटोरिया, आस्था जैन, सोमेष तिवारी, योगेन्द्र सोनी, कृतिज्ञा ठाकुर सहित कई विद्यार्थियों ने अपने अपनी प्रस्तुति दी। आकाशवाणी की तकनीकी समूह ने रिकॉर्ड किया। इस कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी सागर से 16 जनवरी को शाम 6 से 6.30 के बीच युववाणी के अंतर्गत किया जाएगा। 23 जनवरी 2022 की रात्रि एक मुख्य कार्यक्रम में भी इसे मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के समस्त केन्द्रों से प्रसारित किया जाएगा।

छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों का आकाशवाणी से होगा प्रसारण

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 'आजादी का अमृत महोत्सव की विश्वविद्यालय इकाई एवं आकाशवाणी सागर के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में भाषण प्रस्तुति एवं स्वर परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी दीपक निषाद, उद्घोषक जयशेखर, तकनीकी सहयोगी आदिल खान एवं हेमंत तिवारी उपस्थित रहे. नोडल अधिकारी डॉ. ललित मोहन के निर्देशन में कार्यक्रम का समन्वयन संगीत विभाग के डॉ. अवधेश सिंह तोमर एवं डॉ राहुल स्वर्णकार ने किया. विश्वविद्यालय के काजोल साहू, भावना साहू, वैभव घुरिया, मनीष सोनी, अपूर्वा भदोरिया, राशि सोनी, सुरभि तिवारी, कृति लिटोरिया, आस्था जैन, सोमेष तिवारी, योगेन्द्र सोनी, कृतिज्ञा ठाकुर सहित कई विद्यार्थियों ने अपने अपनी प्रस्तुति दी जिसे आकाशवाणी की तकनीकी समूह ने रिकॉर्ड किया. इस कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी सागर से 16 जनवरी 2022 को सायं 06 से 06:30 के बीच 'युववाणी' के अंतर्गत किया जाएगा. 23 जनवरी 2022 की रात्रि एक मुख्य कार्यक्रम में भी इसे मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के समस्त केन्द्रों से प्रसारित किया जाएगा. कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने किया।

कक्षा पर लेकर पहुंचा हो

समाज विज्ञान में वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए मिश्रित प्रविधि अति आवश्यक: प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के HRDC केंद्र के तत्वावधान में छह दिवसीय शार्ट टर्म प्रोग्राम का शुभारम्भ दिनांक 07 जनवरी को ऑनलाइन माध्यम से हुआ ,इस कोर्स विषय Prospects of Mi&ed Methods in Humanities and Social Sciences Research है। कार्यक्रम की शुरुआत इस कोर्स के संयोजक मनोविज्ञान विभाग के सहायक अध्यापक Dr.G.K.Tiwari ने की और विषय कि प्रासंगिकता और शोधकार्यों में इस कोर्स कि उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डाला, इसके बाद विश्वविद्यालय कि कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने इस कोर्स को सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं को वैज्ञानिक कसोटियों पर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से शोध कार्यों को करने एवं उनकी व्याख्या करने की महत्ता में आवश्यक बताया ,मनोविज्ञान करता है। इसमें व्यक्ति के उन व्यवहारों तथा अनुभवों का अध्ययन किया जाता है, जिनका प्रदर्शन या उत्पत्ति सामाजिक परिस्थिति के कारण होता है। ऐसे व्यवहार जिनकी उत्पत्ति सामाजिक कारणों से नहीं होती है वे सामाजिक मनोविज्ञान की परिधि में नहीं आते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो .गिरीश्वर मिश्र थे। का परिचय देते हुए पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.पी के रॉय ने कहा कि प्रोफ़ेसर गिरीश्वर मिश्र देश के शीर्ष 10 मनोवैज्ञानिक में से एक है, उन्होंने NAOP कि स्थापना की। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि पिछले 100 वर्षों समाज विज्ञान में बदलाव आया, POSITIVISM कैसे एक मॉडल बना,हम कैसे डाटा को गुणात्मक और मात्रात्मक क्रम में उपयोग करें ,उन्होंने इस METHOD कि आवश्यकता और स्वरूप पर व्यापक चर्चा कि तथा अन्य METHOD से कैसे भिन्न है इस पर भी बल दिया ,इस विधि उपयोग ऐसे चरों के अध्ययन हेतु किया जाता है जिनमें समय एवं परिस्थिति के बदलने के कारण बदलाव आने की काफी संभावना होती है। जैसे कि परिपक्वता, बुद्धि, स्मरण शक्ति, शारीरिक बदलाव, रहन-सहन आदि,'यह एक ऐसी शोध विधि है जिसमें. वैज्ञानिक व्यक्तियों के एक ही समूह का अध्ययन भिन्न-भिन्न समयों पर उनके व्यवहार एवं अन्य गुणों में होने वाले परिवर्तनों के आधार पर करता है और इसके साथ ही लोगों के निजी जीवन के अनुभव आधारित डाटा से नए आयाम और संप्रत्यय का निर्माण करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम सजीवता और दूरदर्शिता पर मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष और सोशल साइंस के डीन प्रोफ .अम्बिका दत्त शर्मा ने प्रकाश डाला और कहा कि सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति वैज्ञानिक है। जब हम किसी भी विषय को वैज्ञानिक कहते हैं, तो उसकी कुछ विशेषताएँ (मूल्य) होती हैं, और उन विशेषताओं के साथ ही साथ उस विषय के अध्ययन के अन्तर्गत विभिन्न विधियाँ होती हैं, जिनका प्रयोग सम्बन्धित विषयों के अध्ययन में किया जाता है,किसी भी विषय के वैज्ञानिक होने के लिए वे आवश्यक हैं, यथार्थता, विषयपरकता, संशयवादिता और .तटस्थता को समझा जाये. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने भी कार्यक्रम में अपना वक्तव्य दिया.आभार एचआरडीसी के निदेशक प्रो बेदरे ने माना. इस कोर्स में लगभग 40 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है.

सूर्य उपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परंपरा का महत्वपूर्ण अंग: प्रो. नीलिमा गुप्ता

जागरण न्यूज, सागर

21 दिनों तक प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने का लिया संकल्प

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में योग के महत्व और जागरूकता के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार के लिए प्रशासनिक भवन परिसर में संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सूर्योपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परम्परा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। हमारे पूर्वज तथा ऋषि.मुनि आदि प्रातःकाल स्नान के पश्चात तुलसी एवं सूर्य को जल चढ़ाते थे। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता का स्थान एवं मान देकर उनकी उपासना की जाती रही है। इसी दृष्टि से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जनमानस में पुनः अपने संस्कृति एवं विरासत के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने एक कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार की घोषणा की है जिसे गौर विश्वविद्यालय ने अंगीकृत कर सहभागिता सुनिश्चित की है। इस अवसर पर उन्होंने समस्त उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के विधिपूर्वक अभ्यास की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रो.अस्मिता गजभिए ने देश भर में किये जाने वाले इस आयोजन की अवधारणात्मक रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन में पूरे भारतवर्ष के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए तीन स्तरों पर पंजीकरण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है जिसमें संस्थागत पंजीयन के तहत डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का पंजीयन कराया गया है। अन्य दो स्तर विद्यार्थी पंजीयन तथा स्वयंसेवी कार्यकर्ता पंजीयन का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के कारण सार्वजनिक आयोजन को सीमित उपस्थित के किया गया जबकि कार्यक्रम प्रोटोकाल के तहत गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को एक विस्तृत आयोजन किया जाएगा तथा उपस्थिति प्रमाणित करने पर प्रत्येक सहभागी को प्रमाण पत्र भी अपनी प्राप्त होगा। योग शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गणेश शंकर गिरी ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक समग्र शारीरिक एवं मानसिक क्रिया है। इसमें बारह आसनों का 12 मंत्रों के साथ अभ्यास किया जाता है।

सूर्योपासना हमारी प्राचीन संस्कृति व परंपरा का महत्वपूर्ण अंग : कुलपति

कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शपथ दिलाई। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में योग के महत्व और जागरूकता के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार के लिए प्रशासनिक भवन परिसर में संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सूर्योपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परंपरा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। हमारे पूर्वज तथा ऋषि-मुनि आदि प्रात:काल स्नान के पश्चात तुलसी एवं सूर्य को जल चढ़ाते थे। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता का स्थान एवं मान देकर उनकी उपासना की जाती रही है।

इसी दृष्टि से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जनमानस में पुन: अपने संस्कृति एवं विरासत के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने एक महत्तवाकांक्षी कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार की घोषणा की है, जिसे डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने अंगीकृत कर सहभागिता सुनिश्चित की है।

इस अवसर पर उन्होंने समस्त उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के विधिपूर्वक अभ्यास की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की कोआर्डिनेटर प्रो. अस्मिता गजभिए ने देश भर में किए जाने वाले इस आयोजन की अवधारणात्मक रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन में पूरे भारतवर्ष के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए तीन स्तरों पर पंजीकरण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है, जिसमें संस्थागत पंजीयन के तहत डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का पंजीयन कराया गया है। अन्य दो स्तर विद्यार्थी पंजीयन तथा स्वयंसेवी कार्यकर्ता पंजीयन का आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के कारण सार्वजनिक आयोजन को सीमित उपस्थित के किया गया जबकि कार्यक्रम प्रोटोकाल के तहत गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को एक विस्तृत आयोजन किया जाएगा व उपस्थिति प्रमाणित करने पर प्रत्येक सहभागी को प्रमाण पत्र भी अपनी प्राप्त होगा।

सूर्य नमस्कार एक समग्र शारीरिक एवं मानसिक क्रिया है : योग शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गणेश शंकर गिरी ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक समग्र शारीरिक एवं मानसिक क्रिया है। इसमें बारह आसनों का 12 मंत्रों के साथ अभ्यास किया जाता है। 75 करोड़ सूर्य नमस्कार महाअभियान में प्रत्येक सहभागी को प्रतिदिन 13 बार लगातार 21 दिनों तक अभ्यास करना होगा । सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लाभों की चर्चा करते हुए प्रो गिरि ने कहा कि इसके अभ्यास से बल, वर्ण, आयुष्य, तेज एवं प्रज्ञा साधक में जागृत होती है जिससे साधक का सर्वांगीण मनोशारीरिक विकास होता है। एक स्वस्थ व्यक्ति एक स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होता है इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना चाहिए। इस दौरान प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्राक्टर प्रोफेसर गिरीश मोहन दुबे, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डा. आशुतोष, डा. विवेक जायसवाल, डा. हिमांशु यादव, डा. अनुराग श्रीवास्तव, डा. अरुण साव, डा. ब्रजेश ठाकुर, डा. नितिन कोरपाल, प्रज्ञा साव, प्रवीण राठौर, शंकर पटेल आदि उपस्थित थे।

विभिन्न विभागों में भी हुआ आयोजन

विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों में भी आनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों में सूर्य नमस्कार संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने आगामी 21 दिनों तक सूर्य नमस्कार करने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय में में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने भी आनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर सूर्य नमस्कार करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया. समन्वयक डा. संजय शर्मा एवं कार्यक्रम अधिकारी डा. सुनीत वालिया सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक आनलाइन उपस्थित थे।

सूर्य उपासना हमारी संस्कृति एवं परंपरा का महत्वपूर्ण अंग

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में योग के महत्व और जागरूकता के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार के लिए प्रशासनिक भवन परिसर में संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सूर्योपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परम्परा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। हमारे पूर्वज तथा ऋषि-मुनि आदि प्रात:काल स्नान के बाद तुलसी एवं सूर्य को जल चढ़ाते थे। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता का स्थान एवं मान देकर उनकी उपासना की जाती रही है। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने अंगीकृत कर सहभागिता सुनिश्चित की है । इस अवसर पर उन्होंने समस्त उपस्थित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के अभ्यास की शपथ दिलाई।कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रो. अस्मिता गजभिए ने बताया कि इस आयोजन में पूरे भारतवर्ष के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए तीन स्तर पर पंजीकरण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है, जिसमें संस्थागत पंजीयन के तहत डॉ. हरिसिंह गौर विवि का पंजीयन कराया गया है।

सूर्य उपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परंपरा का महत्वपूर्ण अंग: गुप्ता

कुलपति के नेतृत्व में 21 दिनों तक प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने का लिया संकल्प

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में योग के महत्त्व और जागरूकता के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार के लिए प्रशासनिक भवन परिसर में संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सूर्योपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परम्परा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। हमारे पूर्वज तथा ऋषि-मुनि आदि प्रातःकाल स्नान के पश्चात तुलसी एवं सूर्य को जल चढ़ाते थे। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता का स्थान एवं मान देकर उनकी उपासना की जाती रही है। इसी दृष्टि से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जनमानस में पुनः अपने संस्कृति एवं विरासत के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार की घोषणा की है, जिसे डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने अंगीकृत कर सहभागिता सुनिश्चित की है । इस अवसर पर उन्होंने समस्त उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के विधिपूर्वक अभ्यास की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रो. अस्मिता गजभिए ने देश भर में किये जाने वाले इस आयोजन की अवधारणात्मक रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन में पूरे भारतवर्ष के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए तीन स्तरों पर पंजीकरण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है जिसमें संस्थागत पंजीयन के तहत डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का पंजीयन कराया गया है। अन्य दो स्तर विद्यार्थी पंजीयन तथा स्वयंसेवी कार्यकर्ता पंजीयन का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के कारण सार्वजनिक आयोजन को सीमित उपस्थित के किया गया जबकि कार्यक्रम प्रोटोकाल के तहत गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को एक विस्तृत आयोजन किया जाएगा तथा उपस्थिति प्रमाणित करने पर प्रत्येक सहभागी को प्रमाण पत्र भी अपनी प्राप्त होगा।

योग शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गणेश शंकर गिरी ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक समग्र शारीरिक एवं मानसिक क्रिया है। इसमें बारह आसनों का 12 मंत्रों के साथ अभ्यास किया जाता है। 75 करोड़ सूर्य नमस्कार महाअभियान में प्रत्येक सहभागी को प्रतिदिन 13 बार लगातार 21 दिनों तक अभ्यास करना होगा । सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लाभों की चर्चा करते हुए प्रो गिरि ने कहा कि इसके अभ्यास से बल, वर्ण, आयुष्य, तेज एवं प्रज्ञा साधक में जागृत होती है जिससे साधक का सर्वांगीण मनोशारीरिक विकास होता है।

एक स्वस्थ व्यक्ति एक स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होता है इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना चाहिए।

इस संकल्प दिवस पर शपथ लेने वालों में प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्राक्टर प्रोफेसर गिरीश मोहन दुबे, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, उपकुलसचिव सतीश कुमार, डॉ आशुतोष, डॉ विवेक जायसवाल, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. अरुण साव, डॉ ब्रजेश ठाकुर, डॉ नितिन कोरपाल, प्रज्ञा साव, प्रवीण राठौर, शंकर पटेल आदि उपस्थित थे।

विभिन्न विभागों में भी हुआ संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों में भी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों में सूर्य नमस्कार संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने आगामी 21 दिनों तक सूर्य नमस्कार करने का संकल्प लिया. विश्वविद्यालय में में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने भी ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर सूर्य नमस्कार करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया. समन्वयक डॉ. संजय शर्मा एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीत वालिया सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक ऑनलाइन उपस्थित थे।

शौचालय का किया निरीक्षण

सागर, आचरण। स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 अंतर्गत ओ.डी.एफ.में प्लस-प्लस रैंकिंग हासिल करने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी इशांक धाकड़ के निर्देशन में उपयंत्री रूबी जैन और आकाश राठौर ने कम्युनिटी टायलेट और पब्लिक टायलेट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपनगरीय क्षेत्र को खुले में शौच से मुक्त करने और फिर से ओ.डी.एफ. प्लस-प्लस रैंकिंग हासिल करने के लिए मॉडन ग्रामीण विकास संस्था के मैनेजर को इस योजना के सही क्रियान्वंन हेतु सख्त निर्देश दिए।

सूर्य उपासना हमारी संस्कृति व परंपरा का महत्वपूर्ण अंग: गुप्ता

कुलपति के नेतृत्व में 21 दिनों तक सूर्य नमस्कार का लिया संकल्प

सागर(आरएनएन)। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में योग के महत्व और जागरूकता के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार के लिए प्रशासनिक भवन परिसर में संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सूर्योपासना हमारी प्राचीन संस्कृति एवं परम्परा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। हमारे पूर्वज तथा ऋषि मुनि आदि प्रातःकाल स्नान के पश्चात तुलसी एवं सूर्य को जल चढ़ाते थे। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता का स्थान एवं मान देकर उनकी उपासना की जाती रही है। इसी दृष्टि से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आम जनमानस में अपने संस्कृति एवं विरासत के प्रति जागरूकता करने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार की घोषणा की है जिसे डॉ हरीसिंह गौर विवि ने अंगीकृत कर सहभागिता सुनिश्चित की है। इस अवसर पर उन्होंने समस्त उपस्थित शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के विधिपूर्वक अभ्यास की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर प्रो अस्मिता गजभिए ने देश भर में किये जाने वाले इस आयोजन की अवधारणात्मक रूपरेखा प्रस्तुत की। योग शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.गणेश शंकरगिरी ने कहा कि 75 करोड़ सूर्य नमस्कार महाअभियान में प्रत्येक सहभागी को प्रतिदिन 13 बार लगातार 21 दिनों तक अभ्यास करना होगा। सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लाभों की चर्चा करते हुए प्रो गिरि ने कहा कि इसके अभ्यास से बल, वर्ण, आयुष्य, तेज एवं प्रज्ञा साधक में जागृत होती है जिससे साधक का सवांगीण मनोशारीरिक विकास होता है। शपथ लेने में प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रॉक्टर प्रो. गिरीश मोहन दुबे, प्रो.आनंद प्रकाश त्रिपाठी, उपकुल सचिव सतीश कुमार, डॉ आशुतोष, डॉ विवेक जायसवाल, प्रज्ञा साव, प्रवीण राठौर, शंकर पटेल आदि उपस्थित थे।

पहुंचकर मत्था ...

डायलोग व्याख्यानमाला

पड़ोसी का पड़ोसी होता है अच्छा मित्र: शर्मा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग में डायलोग व्याख्यान माला के अंतर्गत अफगानिस्तान में नवीन परिवर्तन व भारत के विदेश नीति उनका प्रभाव विषय पर पुणे विश्वविद्यालय में राजनीति विभाग की प्रो. शांतिश्री पंडित का व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी कुलपति प्रो. जनक दुलारी आहि ने की। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में अफगानिस्तान भारत का ही भाग था और वहां की परिस्थियों को भारतियों को समझना चाहिए। संकाय प्रमुख ए डी शर्मा ने कहा की भारत सरकार को कौटिल्य के मंडल सिद्धांत से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने कहा था कि अपना पडोसी शत्रु होता है, लेकिन पडोसी का पडोसी मित्र होता है। अतः भारत को अफगानिस्तान से मित्रता करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपमा कौशिक ने की। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में सिन्धु घाटी सभ्यता के अवशेष भी प्राप्त हुए है। राजा अशोक के समय में यहां बौद्ध मत का प्रसार हुआ तथा मध्यकाल के आक्रमणकारियों के द्वारा इस्लाम को स्थापित किया गया। 1700 तक अफगानिस्तान नाम का कोई देश नहीं था। मुख्य वक्ता प्रो. शांतिश्री पंडित ने बताया कि 1919 में अमतुल्ला खान ने इसे स्वत्रंत देश और स्वयं को यहाँ का राजा घोषित किया, लेकिन इस समय यहाँ पर उदार, आधुनिक, प्रगतिशील व्यवस्था थी।

दैनिक भास्कर सागर, सोमवार, 10 जनवरी, 2022

अफगानिस्तान में नवीन परिवर्तन व भारत की विदेश नीति पर उसका प्रभाव विषय पर हुई व्याख्यानमाला

अफगानिस्तान भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वहां अस्थिरता, आतंकवाद बढ़ा तो वो भारत सहित विश्व के लिए समस्या बनेगा: पंडित

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति एवं लोक प्रशासन विभाग में डायलोग व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। जिसमें अफगानिस्तान में नवीन परिवर्तन व भारत की विदेश नीति पर उनका प्रभाव विषय पर पुणे विश्वविद्यालय की प्रो. शांतिश्री पंडित ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता के प्रतिनिधि के रूप में प्रो.जनक दुलारी आही ने की। मुख्य वक्ता प्रो. शांतिश्री ने कहा 1919 में अमतुल्ला खान ने इसे स्वत्रंत देश और स्वयं को यहां का राजा घोषित किया था। लेकिन उस समय यहां पर उदार, आधुनिक, प्रगतिशील व्यवस्था थी। 1978 में यहां कम्युनिस्ट सोवियत रूस द्वारा प्रायोजित कम्युनिस्ट क्रांति हुई और ये देश शीत युद्ध की राजनीति का शिकार हो गया। सोवियत प्रभाव को कम करने के लिए व रूस को परेशान करने के लिए पाकिस्तान और अमरीका ने अफगानी

लोगों को आतंकवाद का प्रशिक्षण और डॉलर देने शुरू किए। यहां अफीम की खेती भी की जाने लगी। 1989 में कम्युनिस्ट रूस ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली और अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो गया। बाद में वे अमेरिका के विरोधी हो गए। 2001 में अमेरिका पर हमले के बाद यहां पर नैटो की सेना आई। लेकिन बीस साल बाद 2021 में वापस चली गई और तब से गृह युद्ध की स्थिति है और अफगानिस्तान का अधिकतर हिस्सा विभिन्न तालिबानी गुटों के कब्जे में है। ये देश भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि यहां अस्थिरता, कट्टरपंथ, आतंकवाद और ड्रग्स बढ़ा तो वो भारत सहित सारे विश्व के लिए समस्या बनेगा। इसमें पाकिस्तान व चीन संदेहपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत वहां अपनी सेना भेजने के विरुद्ध में है लेकिन वहां विकास व शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है। प्रो. शांतिश्री ने अफगानिस्तान के भविष्य के लिए पांच संभावनाएं बताई। जिनमें चीन और पाकिस्तान का कब्जा, रूस का कब्जा, उत्तरी अलायंस की मदद से अफगानिस्तान का विभाजन, पाकिस्तान का विभाजन, पाकिस्तान पर चीन का कब्जा। उन्होंने कहा कि भारत को सॉफ्ट और हार्ड पॉवर दोनों का प्रयोग करना चाहिए। प्रो. आही ने कहा कि प्राचीन काल में अफगानिस्तान भारत का ही भाग था। तथा वहां की परिस्थियों को भारतीयों को समझना चाहिए।

भारत सरकार को कौटिल्य के मंडल सिद्धांत से प्रेरणा लेनी चाहिए: प्रो. शर्मा

संकाय प्रमुख एडी शर्मा ने कहा भारत सरकार को कौटिल्य के मंडल सिद्धांत से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिन्होंने कहा था कि ... पड़ोसी शत्रु होता है परंतु पड़ोसी का पड़ोसी मित्र होता है। अतः ... को अफगानिस्तान से मित्रता करनी चाहिए। विभागाध्यक्ष प्रो.अनुपमा कौशिक ने कहा कि इस क्षेत्र में सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं। राजा अशोक के समय में यहां बौद्ध मत का प्रसार ... तथा मध्यकाल के आक्रमणकारियों के द्वारा इस्लाम को ... किया गया। 1700 तक अफगानिस्तान नाम का कोई देश न...

कार्यक्रम में डॉ. नेहा निरंजन सहित 80 विद्यार्थियों ने भाग ...

आयोजन | 21 रजाईयां और खिचड़ी हेतु दाल-चावल, तिल के लड्डू इत्यादि दान स्वरुप भेंट किये

गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय हमेशा सहयोगी रहेगा

सागर, आचरण संवाददाता।

मकर संक्रांति का पर्व दान भावना और सांस्कृतिक मूल्यों का पर्व है। आज उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत सागर विश्वविद्यालय द्वारा गांवों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए किये जाने वाले कार्य-योजनाओं का सांकेतिक शुभारम्भ है। यह उद्गार है - विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा दिये गए उदबोधन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के द्वारा भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांवों के विकास हेतु किये जाने वाले कार्यक्रमों के वर्ष 2022 हेतु शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरारू में संबोधित करते हुए कहा. उन्होंने जरूरतमंद 21 छात्र - छात्राओं को अपनी ओर से 21 रजाईयां और खिचड़ी हेतु दाल -चावल , तिल के लड्डू इत्यादि दान स्वरुप भेंट करते हुए कहा कि मकर संक्रांति का त्यौहार दान का त्यौहार है. और हमारे भारतीय सामाजिक - सांस्कृतिक मूल्यों में दान एक कल्याणकारी भावना है. इसी भावना के साथ गांवों को समृद्ध बनाने के लिए शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण , स्वास्थ्य और खेती से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन निरंतर किया जायेगा। दान की यह प्रेरणा का श्रेय उन्होंने अपनी माता जी श्रीमती विमल गुप्ता को दिया। इस अवसर पर डॉ दीपक गुप्ता और श्रीमती विमल गुप्ता भी उपस्थित रहे। उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो, दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि शिक्षा प्रशिक्षण सेवा और जागरूकता से गांवों को समृद्ध बनाने के लिए विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के माध्यम से पुरे वर्ष पाँचों गांवों में कार्यक्रम संचालित करते हुए सहयोग करेंगे. विश्वविद्यालय के मेडिकल ऑफिसर डॉ. किरण महेश्वरी ने स्वास्थ्य, सुरक्षा मानकों की जानकारी दी. कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथिओं द्वारा दीप प्रज्जलन किया गया. विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की. संकुल प्राचार्य श्रीमती सविता मिश्रा ने स्वागत उदबोधन दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शैलेन्द जैन ने आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मनीष सक्सेना ने किया। समस्त कार्यक्रम कोविड 19 के सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए किया गया. कार्यक्रम ने अमित मिश्रा, श्रीमती आराधना कटारे, लक्ष्मण पटेल सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं और 21 छात्र- छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे।

गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विवि हमेशा सहयोगी रहेगा : प्रो. गुप्ता

सागर, देशबन्धु। मकर संक्रांति का पर्व दान भावना और सांस्कृतिक मूल्यों का पर्व है आज उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत सागर विश्वविद्यालय द्वारा गांवो को सम्रद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए किये जाने वाले कार्य योजनाओं का सांकेतिक शुभारम्भ है यह उद्गार है कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा दिये गए उदबोधन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के द्वारा भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांवों के विकास हेतु किये जाने वाले कार्यक्रमों के वर्ष 2022 हेतु शुभारंभ करते हुए शासकीय उच्च माध्य विद्यालय बरारू में संबोधित करते हुए कहा उन्होंने जरूरतमंद 21 छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से 21 रजाईयां और खिचड़ी हेतु दाल, चावल, तिल के लड्डू इत्यादि दान स्वरुप भेंट करे। दान की यह प्रेरणा का श्रेय उन्होंने अपनी माताजी श्रीमती विमल गुप्ता को दिया। इस अवसर पर डॉ दीपक गुप्ता और श्रीमती विमल गुप्ता भी उपस्थित रहे। उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा शिक्षा प्रशिक्षण सेवा और जागरूकता से गांवों को सम्रद्ध बनाने के लिए विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के माध्यम से पुरे वर्ष पाँचों गांवों में कार्यक्रम संचालित करते हुए सहयोग करेंगे।

आत्मनिर्भर सागर के लिए कदम से कदम मिलाकर चलेंगेः प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता

जागरण, सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव के अंतर्गत ज्ञानदीक्षा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि सागर को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में हमारा विश्वविद्यालय सभी का सहयोग लेते हुए कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके संदेश युवाओं में जागृति लाते हैं और जिसमें उन्होंने युवाओं को हमेशा संकल्प पूर्वक हर समय मजबूती के साथ खड़े रहने की शिक्षा दी है। उनके नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी, प्रभारी कुलपति डॉ. नीरज तोपखाने, प्रो. यूएस पाटिल, प्रो. दीपक व्यास एवं दोनों विश्वविद्यालय के कई प्रतिनिधि शिक्षक एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'आत्मनिर्भर सागर के लिए कदम से कदम मिलाकर चलेंगे'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. एसवीएन में आयोजित युवा महोत्सव के अंतर्गत ज्ञानदीक्षा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सागर को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में हमारा विश्वविद्यालय सभी का सहयोग लेते हुए कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। एसवीएन कुलाधिपति डॉ.अजय तिवारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद सर्वधर्म सम्भव थे।

इसी दर्शन को आगे बढ़ाते हुए यह विष्वविद्यालय भी ज्ञान-दीक्षा कार्यक्रम आयोजित करता है। एसवीएन कुलपति डॉ. अनिल तिवारी ने कहा कि विवेकानंद विश्वविद्यालय अपने स्थापना दिवस से ही युवा दिवस मनाता आ रहा है। विवेकानंद की शिक्षा को प्रेरणा मनाते हुए ही इस विश्वविद्यालय की नींव रखी गई और इन्हीं के चिंतन और आदर्श को मानते हुए ही इस विश्वविद्यालय की शिक्षा शुरू की गई।

इस दौरान दमोह हटा पूर्व प्राचार्य डॉ.श्याम सुंदर दुबे, योगाचार्य विष्णु आर्य, आरएल शुक्ला आदि ने अपने-अपने विचार रखे।

आत्मनिर्भर सागर के लिए कदम से कदम मिलाकर चलेंगेः नीलिमा

डॉ हरीसिंह गौर विवि एवं स्वामी विवेकानंद विवि के बीच आत्मनिर्भर सागर अभियान के तहत हुई साझेदारी

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की जयन्ती के अवसर पर स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर में आयोजित युवा महोत्सव के अंतर्गत 'ज्ञानदीक्षा कार्यक्रम' में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि सागर को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में हमारा विश्वविद्यालय सभी का सहयोग लेते हुए कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है. उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं. उनके संदेश युवाओं में जागृति लाते हैं और जिसमें उन्होंने युवाओं को हमेशा संकल्प पूर्वक हर समय मजबूती के साथ खड़े रहने की शिक्षा दी है. उनके नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रहा है।

कोविड जैसी महामारी की स्थितियों में हम सब विजय की ओर अग्रसर हैं. इस चुनौती ने जहाँ हमें स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जैसी चीजों के प्रति जागरूक किया है वहीं ऑनलाइन पठन-पाठन के रूप में शिक्षा पद्धति में एक नया आयाम जोड़ा है. यह सुखद क्षण है कि दोनों संस्थाएं आत्मनिर्भर सागर अभियान के कौशल विकास संबंधी आयाम को मजबूत करने के लिए साझेदारी कर रहे हैं. विश्वविद्यालय में हाल ही में आयोजित कौशल विकास मेले की तर्ज पर प्रदेश स्तर पर कौशल विकास मेले का आयोजन किया जाएगा. इस माध्यम से युवा पीढ़ी को स्व- रोजगार का बेहतर प्लेटफ़ॉर्म मिल सकेगा. स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि डॉ. गौर के सपनों के संस्थान के साथ इस अभियान का हिस्सा बनकर हम गौरवान्वित हैं. सर गौर के पदचिन्हों पर चलते हुए दोनों ही संस्थाएं सागर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित हैं। कार्यक्रम में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय और स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के बीच आत्मनिर्भर सागर अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कौशल विकास के आयाम को समृद्ध करने के लिए साझेदारी पत्रक पर हस्ताक्षर हुए. इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद विवि के कुलाधिपति डॉ. अजय तिवारी, संस्थापक कुलपति डॉ. अनिल तिवारी, प्रभारी कुलपति डॉ. नीरज तोपखाने, कम्युनिटी कॉलेज की नोडल प्रभारी प्रो. श्वेता यादव, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रो. यू.एस. पाटिल, प्रो. दीपक व्यास एवं दोनों विश्वविद्यालय के कई प्रतिनिधि शिक्षक एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भूगोल एवं भूविज्ञान विषय पर दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स प्रारंभ

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के एचआरडीसी एवं भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भूगोल एवं भूविज्ञान' विषय पर दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स का शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नयी दिल्ली के प्रो कौशल कुमार शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में भूगोल विषय के महत्व को सभी अनुशासनों से जोड़ते हुए सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने वर्तमान समय में भूगोल विषय की महत्ता को समकालीन परिप्रेक्ष्य से जोड़कर सभी प्रतिभागियों एवं शोधकर्ताओं को इस विषय के नवाचारी-आयामों पर प्रकाश डाला और नवीन शोध की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि दैनिक जीवन में भूगोल एवं मानचित्र का बहुत महत्त्व है।

यह एक ऐसा विषय है जिससे व्यक्ति के साथ-साथ पूरी दुनिया के हर हिस्से को इसकी आवश्यकता पड़ती है. इतिहास इस बात का साक्षी है कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण राजनीतिक स्थितियां बदलती रही हैं.प्राकृतिक आपदा और संकट को जानने में इस विषय की महती भूमिका रही है। उन्होंने इस कोर्स के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भूगोल विभाग के विभगाध्यक्ष एवं डीन प्रो. के के एन शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को भूगोल विषय के विभिन्न आयामों पर उत्कृष्ट शोध के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो आर पी मिश्रा ने भी प्रोत्साहन वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ परवेंद्र कुमार ने स्वागत वक्तव्य देते पुराणों का भूगोल पुस्तक के माध्यम से पौराणिक ग्रंथो में भौगोलिक अध्ययन का जिक्र किया। समन्वयक डॉ राकेश सैनी ने रिफ्रेशर कोर्स की विस्तृत रूपरेखा रखी। एचआरडीसी के निदेशक प्रो. आर टी बेद्रे ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में डॉ आर बी अनुरागी, डॉ सतीश सी, डॉ संजय शर्मा, डॉ संजय कुमार (बठिंडा) सहित देश भर के प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस 15 जनवरी के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल होंगे, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा के साथ वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में उभरता भारत विषय पर व्याख्यान देंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रुप में एटॉमिक मिनरल डिवीजन हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. डीके सिन्हा नाभिकीय विज्ञान का मानवीय और तकनीकी पक्ष, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। आयोजन के समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि कोविड परिस्थितियों को देखते हुए सम्पूर्ण आयोजन गूगल मीट प्लेटफ़ॉर्म पर ऑनलाइन संपन्न होगा।

पी-एचडी प्रवेश परीक्षा की प्राप्तांक सूची जारी

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की पी-एचडी प्रवेश परीक्षा वर्ष 2021 की प्राप्तांक सूची जारी कर दी गई है। प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर विभिन्न विषयों की पी-एचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक जारी कर दिए गए हैं। शीघ्र ही उपलब्ध सीटों का वर्गवार आवंटन कर अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी जायेगी. उसके उपरान्त चयनित अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकेंगे और कोर्स वर्क प्रारंभ होगा।

ऑनलाइन व्याख्यान संपन्न

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस 15 जनवरी के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के चेयरमैन प्रो. के. के. अग्रवाल होंगे जो 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा के साथ वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में उभरता भारत' विषय पर व्याख्यान देंगे। सारस्वत अतिथि के रूप में एटॉमिक मिनरल डिवीजन, हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. डी.के. सिन्हा होंगे जो 'नाभिकीय विज्ञान का मानवीय और तकनीकी पक्ष- युवाओं के लिए रोजगार के अवसर' विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी. आयोजन के समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि कोविड परिस्थितियों को देखते हुए सम्पूर्ण आयोजन गूगल मीट प्लेटफ़ॉर्म पर ऑनलाइन संपन्न होगा।

लिटौरिया को सीनियर रिसर्च फ़ैलोशिप अवार्ड

सागर, आचरण। भौतिक शास्त्र विभाग में प्रो. आशीष वर्मा के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे छात्र प्रवीण कुमार लिटौरिया की जूनियर रिसर्च फ़ैलोशिप को सीनियर रिसर्च में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिये परिवर्तित किया गया। इस अवसर पर डॉ कवि शंकर वार्ष्णेय, डी एस कॉलेज अलीगढ़ विषय विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

प्रवीण लिटौरिया वर्तमान में नवीन तकनीकी से एल ई डी लाइट के लिये मटेरियल की सिंथेसिस का काम अपने लैब में कर रहे हैं। शोध छात्र प्रवीण ने बताया उनके द्वारा किया गया संदीप्ति के क्षेत्र का कार्य इस दिशा में नए आयाम खोलेगा एवं उनके रिसर्च से नवीन, सस्ती एवं सरल तकनीकी से प्रकाशीय सेंसर एवं एल ई डी लाइट बनाई जा सकेगी। प्रोफ. वर्मा इस क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से शानदार शोध कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष भौतिक शास्त्र विभाग प्रो. रणवीर कुमार, अरुण कुमार, स्वाति कुर्मी, प्रेरणा गुप्ता, पुष्पांजलि पटेल, सुजाता यादव, श्याम सुंदर पटेरिया, सतीश गुप्ता, पूजा अहिरवार आदि शोध छात्र- छात्राएं ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान कल

सागर. डॉ. हरिसिंह विवि के केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस 15 जनवरी को है। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल होंगे, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा के साथ वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में उभरता भारत विषय पर व्याख्यान देंगे। सारस्वत अतिथि के रूप में एटॉमिक मिनरल डिवीजन हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. डीके सिन्हा होंगे, जो नाभिकीय विज्ञान का मानवीय और तकनीकी पक्ष युवाओं के लिए रोजगार के अवसर विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा की प्राप्तांक सूची जारी

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा वर्ष 2021 की प्राप्तांक सूची जारी कर दी गई है। प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो.दिवाकर शुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर विभिन्न विषयों की पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक जारी कर दिए गए हैं। शीघ्र ही उपलब्ध सीटों का वर्गवार आवंटन कर अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी जाएगी।

केन्द्रीय विवि स्थापना दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में तेरहवें स्थापना दिवस के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के आरम्भ में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ.हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण किया।

मुख्य अतिथि गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के चेयरमैन प्रो. के.के. अग्रवाल ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा के साथ वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में उभरता भारत' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा डॉ. गौर जैसे महान दानवीर और शिक्षाविद् द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में बोलते हुए मैं गौरवान्वित हूँ। उनके कार्यो और विचारों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। भारत के विश्वविद्यालयों को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में पारंपरिक जड़ता और संकुचन से मुक्त होकर अंतरानुशासिकता और वृहद् उद्देश्य लेकर काम करने की आवश्यकता है।

सारस्वत अतिथि के रूप में एटॉमिक मिनरल डिवीजन, हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. डी.के. सिन्हा ने 'नाभिकीय विज्ञान का मानवीय और तकनीकी पक्ष युवाओं के लिए रोजगार के अवसर' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा आमतौर पर नाभिकीय ऊर्जा और इसके विज्ञान पर बात करते समय इसके दुष्प्रभाव पर चर्चा की जाती है लेकिन इसका इस मानवीय पक्ष भी है जिससे सभी को परिचित होना चाहिए। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिग की समस्या से जूझ रही है। न्यूक्लियर एनर्जी के समानांतर उपयोग से कार्बनडाईऑक्साइड के बढ़ते स्तर को रोका जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा आज यह विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के तेरहवें वर्ष में है। तेरहवां वर्ष मनुष्य के जीवन में तरुणाई का वर्ष होता है। यह विश्वविद्यालय अपनी तरुणाई अवस्था में पहुँचकर उड़ान भरने की स्थिति में है। यह विश्वविद्यालय एक नई ऊँचाई हासिल करेगा और शोध एवं नवाचार का मानक केंद्र बनेगा। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक प्रो.नवीन कानगो ने किया। प्रो. यू एस. पाटिल एवं प्रो. हेरेल थॉमस ने अतिथियों का परिचय दिया। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने आभार वक्तव्य दिया।

कि प्रतिवर्ष विधायक निधि से ... की सुविधाएं भी उपलब्ध कराने सोनी उपस्थित रहे। ... उपस्थित थे। ... 8 एवं 9 जनवरी 2022 को चंदेरी,दे

आयोजन

केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

अंतरानुशासनिक शिक्षा और शोध इक्कीसवीं सदी की आवश्यकता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में तेरहवें स्थापना दिवस के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण किया। मुख्य अतिथि गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के चेयरमैन प्रो. के. के. अग्रवाल ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा के साथ वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में उभरता भारत' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि डॉ. गौर जैसे महान दानवीर और शिक्षाविद् द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में बोलते हुए मैं गौरवान्वित हूँ. उनके कार्यों और विचारों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक समग्र शिक्षा नीति है जो प्री-स्कूल से लेकर शोध के उच्चतम पाठ्यक्रम पर बात करती है. आधुनिक उच्च शिक्षण संस्थानों को बहुत ही प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है तभी भारत ज्ञान के वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो सकता है. उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में पारंपरिक जड़ता और संकुचन से मुक्त होकर अंतरानुशासिकता और वृहद् उद्देश्य लेकर काम करने की आवश्यकता है. यह इक्कीसवीं सदी की मांग है. यही एक तरीका है जिससे हम विभिन्न अनुशासनों के बीच की खाई को भर सकते हैं. आज ज्ञान को सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता. ऐसा करके हम इसके अध्येताओं और शिक्षार्थियों को समाज की वास्तविक समस्याओं से दूर कर देते हैं. दुनिया के कई विश्वविद्यालय अपनी अंतरानुशासनिक प्रकृति के कारण उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों की सूची में हैं. हमारे देश में इस तरह की अध्ययन व्यवस्था की कमी है. ज्ञान का विस्तार जड़ता को खत्म करके ही किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि यह जटिल चुनौतियों की शताब्दी है. जटिलतम समस्याओं के कई बार आसान समाधान होते हैं. ऐसे समय में हमें समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय सांस्कृतिक मूल्यबोधों को आत्मसात करते हुए ज्ञान के आदान-प्रदान की प्रणाली को समृद्ध करना होगा और भविष्य के अध्येताओं को इसके लिए प्रोत्साहित करना होगा. एक उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में हमें यह भूमिका निभानी चाहिए. उन्होंने केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं.

सारस्वत अतिथि के रूप में एटॉमिक मिनरल डिवीजन, हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. डी.के. सिन्हा ने 'नाभिकीय विज्ञान का मानवीय और तकनीकी पक्ष- युवाओं के लिए रोजगार के अवसर' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि आमतौर पर नाभिकीय ऊर्जा और इसके विज्ञान पर बात करते समय इसके दुष्प्रभाव पर चर्चा की जाती है लेकिन इसका इस मानवीय पक्ष भी है जिससे सभी को परिचित होना चाहिए. आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रही है. न्यूक्लियर एनर्जी के समानांतर उपयोग से कार्बनडाई ऑक्साइड के बढ़ते स्तर को रोका जा सकता है. उन्होंने

नाभिकीय प्लांट की संरचना और नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया को समझाया. उन्होंने कहा कि कैंसर जैसे रोगों के इलाज; फसल उत्पादन की वृद्धि, खाद्य और पोषण सुरक्षा, जल शुद्धीकरण, विभिन्न उद्योगों, पर्यावरण सुरक्षा और वेस्ट मैनेजमेंट, वर्तमान कोविड महामारी जैसी स्थितियों में इसकी महती भूमिका है. उन्होंने यह भी बताया कि इस बहुआयामी अध्ययन एवं शोध क्षेत्र में विज्ञान के विभिन्न विषयों के विद्यार्थी वैज्ञानिक अधिकारी, प्रबंधन, तकनीकी अधिकारी आदि के साथ-साथ कई अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं.

विवि शोध एवं नवाचार का मानक केंद्र बनेगा: नीलिमा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज पूरा देश जहां आज़ादी के 75 वर्ष पूरा होने पर अमृत महोत्सव मना रहा है वहीं यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरा कर चुका है. आज यह विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के तेरहवें वर्ष में है. तेरहवां वर्ष मनुष्य के जीवन में तरुणाई का वर्ष होता है. यह विश्वविद्यालय अपनी तरुणाई अवस्था में पहुँचकर उड़ान भरने की स्थिति में है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को दृष्टिगत रखते हुए नए सपनों के साथ प्रतिबद्ध शिक्षकों, शोधार्थियों एवं अकादमिक विशेषज्ञों के साथ मिलकर नए पाठ्यक्रम, मूल्य आधारित शिक्षा, भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में काम करते हुए यह विश्वविद्यालय एक नई ऊँचाई हासिल करेगा और शोध एवं नवाचार का मानक केंद्र बनेगा. एक राज्य विश्वविद्यालय से केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित होने की चुनौतियों के बीच कई कुलपतियों, गणमान्य नागरिकों, समाज सेवियों के सहयोग के लिए हृदय से आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर की चुनौतियों का सामना करते हुए हम सीखने-सिखाने की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने किया. प्रो. यू एस. पाटिल एवं प्रो. हेरेल थॉमस ने अतिथियों का परिचय दिया. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने आभार वक्तव्य दिया. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी, पूर्व विद्यार्थी एवं शहर के गणमान्य नागरिक, जुड़े रहे. विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी हुआ।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ने गोद लिए गांवों में शुरू की गतिविधियां, मकर संक्रांति मनाया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार के उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांवों के विकास के लिए किए जाने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरारू में कहा कि उन्होंने जरुरत मंद 21 छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से 21 रजाईयां और खिचड़ी के लिए दाल, चावल, तिल के लड्डू भेंट किए हैं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का त्यौहार दान का त्यौहार है और हमारे भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों में दान एक कल्याणकारी भावना है। इसी भावना के साथ गांवों को सम्रद्ध बनाने के लिए शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और खेती से संबंधित कार्यक्रमों का संचालन निरंतर किया जायेगा। विश्वविद्यालय की मेडिकल ऑफिसर डॉ. किरण महेश्वरी ने स्वास्थ्य, सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शैलेन्द्र जैन ने आभार माना। संचालन शिक्षक मनीष सक्सेना ने किया।

आधुनिक ज्ञान व्यवस्था व प्रक्रियाएं शिक्षकों को शिक्षार्थी के रूप में नई पहचान दे रही हैं : कुलपति

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के मानव संसाधन विकास केंद्र के तत्वावधान में आयोजित शिक्षक शिक्षा के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक ज्ञान व्यवस्था एवं प्रक्रियाएं शिक्षकों को एक शिक्षार्थी के रूप में नई पहचान दे रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षकों के सतत सीखने को एक मूल्य के रूप में विकसित करने को प्रतिबद्ध है। विद्यालयी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षकों को दक्षता, कौशल एवं समझ को लगातार विकसित करना होता है। उन्होंने शिक्षक के लिए संप्रेषण कौशल, सामुदायिक शिक्षण कौशल, नवाचार एवं विषम परिस्थितियों में अनुकूलन आदि जैसे गुण अनिवार्य बताए।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं संचार क्रांति ने शिक्षा प्रक्रियाओं के स्वरुप को पूरी तरह बदल दिया है। अब चाक टू चैट की तरफ ज्ञान की यात्रा प्रारम्भ हो चुकी है। आधुनिक शिक्षण कार्यक्रम भी बदल रहे हैं। 21वीं सदी का शिक्षार्थी एक चुनौतीपूर्ण व्यक्तित्व है। उसको समझना और उसके साथ ज्ञान की यात्रा करना शिक्षक का मुख्य ध्येय है।

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। नवदुनिया

प्रो. गुप्ता ने कहा कि एनइपी 2020 को लागू करना संपूर्ण शिक्षक बिरादरी की जिम्मेदारी है जो सामूहिक रूप से इसे सफल बनाएगी।

उन्होंने आगे जोर दिया कि एनईपी 2020 इस मायने में अद्वितीय है कि यह शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम की एकीकृत प्रकृति पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को फिर से तैयार करने का प्रयास करता है।

शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का पुनर्गठन श्लोकविद्या के अनुरूप होना चाहिए और पश्चिमी उन्मुख शिक्षा से दूर होना चाहिए। ऐसा करके ही हम बाल केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम के संयोजक डा. सज्जाद अहमद ने कार्यक्रम का संचालन किया और रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस पाठ्यक्रम में पारंपरिकए अधिक परिवर्तनकारी और नवीन शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित किया गया है जो समय की आवश्यकता भी है। इस कार्यक्रम में जामिया मिलिया इस्लामिया की सम कुलपति तसनीम फातमा ने इस पाठ्यक्रम को बहुपयोगी बताया कार्यक्रम में प्रो. एजाज मसीह, डीन शिक्षा संकाय निदेशक प्रो. असुर रहमान और समन्वयक डा. अंसार अहमद सहित विभिन्न प्रांतों के प्रतिभागी उपस्थित थे।

चॉक टू चैट ज्ञान की नवाचारी और आधुनिक पद्धति : प्रो. नीलिमा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली के मानव संसाधन विकास केंद्र के तत्वावधान में सोमवार को आयोजित शिक्षक-शिक्षा के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आधुनिक ज्ञान व्यवस्था एवं प्रक्रियाएं शिक्षकों को एक शिक्षार्थी के रूप में नई पहचान दे रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षकों के सतत सीखने को एक मूल्य के रूप में विकसित करने को प्रतिबद्ध है। विद्यालयी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षकों को दक्षता, कौशल एवं समझ को लगातार विकसित करना होता है। उन्होंने शिक्षक के लिए सम्प्रेषण कौशल, सामुदायिक शिक्षण कौशल, नवाचार एवं विषम परिस्थितियों में अनुकूलन आदि जैसे गुण अनिवार्य बताए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं संचार क्रांति ने शिक्षा प्रक्रियाओं के स्वरुप को पूरी तरह बदल दिया है। अब चाक टू चैट की तरफ ज्ञान की यात्रा प्रारम्भ हो चुकी है। आधुनिक शिक्षण कार्यक्रम भी बदल रहे हैं। 21वीं सदी का शिक्षार्थी एक चुनौतीपूर्ण व्यक्तित्व है। उसको समझना और उसके साथ ज्ञान की यात्रा करना शिक्षक का मुख्य ध्येय है। प्रो. गुप्ता ने कहा कि एनईपी 2020 को लागू करना संपूर्ण शिक्षक बिरादरी की जिम्मेदारी है जो सामूहिक रूप से इसे सफल बनाएगी। जामिया मिलिया इस्लामिया की सम कुलपति तसनीम फातमा ने इस पाठ्यक्रम को बहुपयोगी बताया। कार्यक्रम में प्रो. एजाज मसीह, डीन शिक्षा संकाय निदेशक प्रो. अंसुर रहमान और समन्वयक डॉ. अंसार अहमद सहित प्रतिभागी उपस्थित थे।

'चॉक टू चैट' ज्ञान की नवाचारी और आधुनिक पद्धति है : प्रो. नीलिमा गुप्ता

आचरण संवाददाता।

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने जामिया मिलिया इस्लामियाए नई दिल्ली के मानव संसाधन विकास केंद्र के तत्वावधान में आयोजित शिक्षक शिक्षा के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक ज्ञान व्यवस्था एवं प्रक्रियाएं शिक्षकों को एक शिक्षार्थी के रूप में नई पहचान दे रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षकों के सतत सीखने को एक मूल्य के रूप में विकसित करने को प्रतिबद्ध है। विद्यालयी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षकों को दक्षता, कौशल एवं समझ को लगातार विकसित करना होता है। उन्होंने शिक्षक के लिए सम्प्रेषण कौशल, सामुदायिक शिक्षण कौशल नवाचार एवं विषम परिस्थितियों में अनुकूलन आदि जैसे गुण अनिवार्य बताये। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं संचार क्रांति ने शिक्षा प्रक्रियाओं के स्वरुप को पूरी तरह बदल दिया है, अब 'चॉक टू चैट' की तरफ ज्ञान की यात्रा प्रारम्भ हो चुकी है। आधुनिक शिक्षण कार्यक्रम भी बदल रहे हैं। 21वीं सदी का शिक्षार्थी एक चुनौतीपूर्ण व्यक्तित्व है, उसको समझना और उसके साथ ज्ञान की यात्रा करना शिक्षक का मुख्य ध्येय है, प्रो. गुप्ता ने कहा कि एनईपी 2020 को लागू करना संपूर्ण शिक्षक बिरादरी की जिम्मेदारी है जो सामूहिक रूप से इसे सफल बनाएगी। उन्होंने आगे जोर दिया कि एनईपी 2020 इस मायने में अद्वितीय है कि यह शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम की एकीकृत प्रकृति पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को फिर से तैयार करने का प्रयास करता है। शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का पुनर्गठन श्लोकविद्या के अनुरूप होना चाहिए और पश्चिमी उन्मुख शिक्षा से दूर होना चाहिए। ऐसा करके ही हम बाल केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम के संयोजक डॉ. सज्जाद अहमद ने कार्यक्रम का सञ्चालन किया और रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस पाठ्यक्रम में पारंपरिक अधिक परिवर्तनकारी और नवीन शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित किया है जो समय की आवश्यकता भी है। कार्यक्रम में प्रो. एजाज़ मसीह, डीन, शिक्षा संकाय, निदेशक प्रो. अंसुर रहमान और समन्वयक डॉ.अंसार अहमद सहित विभिन्न प्रान्तों के प्रतिभागी उपस्थित थे।

'रामचरितमानस में जीवन प्रबंधन के सूत्र' विषय पर परिसंवाद का आयोजन

सागर, देशबन्धु। तुलसी साहित्य अकादमी सागर इकाई के बैनर तले इंक मीडिया पत्रकारिता संस्थान में 'रामचरितमानस में जीवन प्रबंधन के सूत्र' विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन एवं गोस्वामी तुलसीदासजी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा तुलसीदासजी कृत रामचरितमानस को जब हम पढ़ते हैं तो पग-पग पर जीवन प्रबंधन के दो सूत्र परिवार और समाज हमें दिखाई देते हैं। श्रीराम के वनवास के समय की परिस्थितियों से हम प्रेरणा ले सकते हैं। हर व्यक्ति की भलाई दूसरों की चिंता में सतत् संलग्न रहकर श्रीराम समाज व संतों की सेवा ,सुरक्षा करते रहे। रामचरितमानस में सत्संगति, सही गलत की पहचान,टीम मैनेजमेंट, संवाद द्वारा संप्रेषण, अलावा सज्जन-दुर्जन के स्वभाव की बड़ी गहरी समझ दी है।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ.श्याम सुंदर दुबे ने कहा तुलसीदास जी ने जीवन प्रबंधन के लिए दो मुख्य बातें बताई विश्वास और श्रद्धा। विश्वास व्यक्ति है और श्रद्धा समाज। जब तक व्यक्ति अपने भीतर की शक्ति पर विश्वास नहीं करेगा तब तक समाज व राष्ट्र के लिए साहस के साथ समर्पित भाव से कार्य नहीं कर सकता। मुख्य अतिथि गुजरात विद्यापीठ के प्रो.सुरेन्द्र पाठक ने कहा एक हजार साल की गुलामी के पश्चात् भारत का जो मूल चरित था वह विलोपित हुआ। ऐसे समय में गोस्वामी तुलसीदास जी ने अस्तित्व व अस्मिता को जानने समझने के चार आयामों भौतिक,सामाजिक,बौद्धिक एवं आध्यात्मिक आयाम के द्वारा न केवल साहित्यिक वरन् शिक्षित होने, श्रेष्ठमानव बनने का प्रबंधन हमें दिया है। आयोजन की सूत्रधार तुलसी साहित्य अकादमी इकाई सागर की अध्यक्ष प्रो.सरोज गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए कहा श्रीराम जन-जन के व सम्पूर्ण सृष्टि के प्राण हैं,सत्यशीलमय हैं, इतिहास पुरुष हैं। राम नाम की अपार महिमा है। र-अग्नि का प्रतीक है।अ-अनुत्तर सूर्य का प्रतीक है। म-मन चंद्रमा का प्रतीक है (चंद्रमा मनसोजात) अग्नि,सूर्य और चंद्रमा इन तीनों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इसप्रकार जो जीवन में है वह सब रामचरितमानस में है। जन्म से लेकर सतत् यह राम तंत्व हमारे जीवन में चेतना रुप में व्याप्त रहता है। आकाशवाणी उदघोषक डा अतुल श्रीवास्तव ने कहा मानस की यदि एक भी चौपाई जीवन में उतार ली जाए तब जीवन धन्य हो जाएगा। भारतीय शिक्षण मंडल की कोषाध्यक्ष शशि दीक्षित ने भगवान राम पर केंद्रित स्वरचित भजन का समुधर गायन किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार क्लीं राय ने किया तथा आभार इंक मीडिया पत्रकारिता संस्थान के निदेशक डा आशीष द्विवेदी ने माना।

या था। इधर बता दें कि

प्रतिशत 45.45 रहा था।

निजी वाहन से बीएमसी लाया गया जहां उसे जांच के मृत घोषित कर दिया।

रामचरितमानस में 'जीवन प्रबंधन के सूत्र' विषय पर हुई चर्चा

सागर, आचरण।

तुलसी साहित्य अकादमी सागर इकाई के बैनर तले इंक मीडिया पत्रकारिता संस्थान में 'रामचरितमानस में जीवन प्रबंधन के सूत्र' विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन एवं गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

श्रीमती शशि दीक्षित ने सरस्वती वंदना का सुमधुर भजन से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डाक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि तुलसीदास जी कृत रामचरितमानस को जब हम पढ़ते हैं तो पग-पग पर जीवन प्रबंधन के दो सूत्र - परिवार और समाज हमें दिखाई देते हैं। श्रीराम के वनवास के समय की परिस्थितियों से हम प्रेरणा ले सकते हैं।हर व्यक्ति की भलाई दूसरों की चिंता में सतत् संलग्न रहकर श्रीराम समाज व संतों की सेवा, सुरक्षा करते रहे। तुलसीदास ने रामचरितमानस में सत्संगति, सही गलत की पहचान,टीम मैनेजमेंट, संवाद द्वारा संप्रेषण, अलावा सज्जन-दुर्जन के स्वभाव की बड़ी गहरी समझ दी है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रख्यांत सांहित्यकार डॉ. श्याम सुंदर दुबे ने कहा कि तुलसीदास जी ने जीवन प्रबंधन के लिए दो मुख्य बातें बताई-विश्वास और श्रृद्धा। विश्वास व्यक्ति है और श्रृद्धा समाज। जब तक व्यक्ति अपने भीतर की शक्ति पर विश्वास नहीं करेगा तब तक समाज व राष्ट्र के लिए साहस के साथ समर्पित भाव से कार्य नहीं कर सकता।

श्रीराम विश्वासशील व्यक्ति रहे। उनके साहस का आधार आत्मविश्वास था जिसे उन्होंने वनगमन के समय 'निश्चर हीन करूं मही, भुज उठाय प्रण कीन्ह' संकल्प के साथ प्रण पूरा किया। आज परिवार से श्रृद्धा और विश्वास की मूल्य चेतना समाप्त हो रही है जिसके लिए हमें विभिन्न ग्रंथों के माध्यम से तलाश करनी पड़ रही है। मुख्य अतिथि गुजरात विद्यापीठ के प्रो. सुरेन्द्र पाठक ने कहा कि एक हजार साल की गुलामी के पश्चात् भारत का जो मूल चरित था वह विलोपित हुआ। ऐसे समय में गोस्वामी तुलसीदास जी ने अस्तित्व व अस्मिता को जानने समझने के चार आयामों भौतिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक आयाम के द्वारा न केवल साहित्यिक वरन् शिक्षित होने, श्रेष्ठमानव बनने का प्रबंधन हमें दिया है। आज समाज श्रीराम के चरित्र के माध्यम से बड़ी उम्मीद के साथ देख रहा है। आयोजन की सूत्रधार तुलसी साहित्य अकादमी इकाई सागर की अध्यक्ष प्रो. सरोज गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि श्रीराम जन-जन के व सम्पूर्ण सृष्टि के प्राण हैं, सत्यशीलमय हैं, इतिहास पुरुष हैं। राम नाम की अपार महिमा है। र-अग्नि का प्रतीक है।

अ-अनुत्तर सूर्य का प्रतीक है। म-मन. चंद्रमा का प्रतीक है (चंद्रमा मनसोजात) अग्नि, सूर्य और चंद्रमा इन तीनों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।- इसप्रकार जो जीवन में है वह सब रामचरितमानस में है। अतिथि वक्ता डॉ.सर्वेश्वर उपाध्याय ने कहा कि राम प्रत्येक भारतीय के अवचेतन में बसते हैं।रामचरितमानस में जीवन की हर समस्या का समाधान है। इसका आत्मसात करने की जरूरत है। आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार पन्या ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस जीवन के प्रत्येक कालखंड में उत्तम प्रबंधन की युक्ति प्रदान करता है। कवि अंबिका यादव ने कहा कि राम अखिल ब्रह्म के नायक हैं।

हमारी संस्कृति के वे केंद्रीय भाव हैं।आकाशवाणी उद्घोषक डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि मानस की यदि एक भी चौपाई जीवन में उतार ली जाए तब जीवन धन्य हो जाएगा। युवा बुंदेली कवि प्रभात कटारे ने कहा कि आज युवा पीढ़ी को रामचरितमानस से जोड़ने की आवश्यकता है।

भारतीय शिक्षण मंडल की नगर प्रमुख शोभा सराफ ने कहा कि रामचरितमानस छोटे बड़े गरीब अमीर साधु संत सबके लिए है। रामचरितमानस में तुलसी बाबा ने केवट, शबरी, कोल, किरात, बानर, भील सबको महत्व दिया है। श्रीराम की तरह हर व्यक्ति में अपरिमेय क्षमताएं हैं ।विपरीत परिस्थितियों में धैर्य कैसे धारण करें यह हम राम से सीखें। रामचंद्र जी का संपूर्ण जीवन मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में धर्म, सत्य, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग, प्रेम, समर्पण, नैतिकता, सहृदयता आदि गुणों से समाज में जो आदर्श प्रस्तुत किए हैं, वनगमन से लेकर लंका से अयोध्या आगमन तक अपने चरित्र और कार्यों से जो आदर्श उपस्थित किए हैं उनमें से किसी एक आदर्श को भी जीवन में आत्मसात कर लिया जाए तो हर आदमी अपने जीवन प्रबंधन को सुगम और जीवन जीने की कला को सीख सकता है। भारतीय शिक्षण मंडल की कोषाध्यक्ष शशि दीक्षित ने भगवान राम पर केंद्रित स्वरचित भजन का समुधर गायन किया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन साहित्यकार क्लीं राय ने किया तथा आभार इंकमीडिया पत्रकारिता संस्थान के निदेशक डा आशीष द्विवेदी ने माना। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रभात तिवारी, शुभम सेन, शशांक तिवारी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, शिवकांत पाठक, डॉ अमरकुमार जैन सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्टार्ट-अप इंडिया के लिए बिजनेस आइडिया 25 तक लिए जाएंगे

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्टार्ट-अप सेल ने नेशनल स्टार्ट-अप डे पर नए उत्पादों और कोविड-19 की समस्या के समाधान पर केंद्रित बिजनेस आइडिया आमंत्रित किए हैं। सेल के समन्वयक प्रो. जीएल पुणताम्बेकर ने बताया कि यह विश्वविद्यालय की नई पहल है। इस प्रतियोगिता में उम्र और योग्यता का कोई बंधन नहीं है। इसमें प्रतिभागिता करने वाले लोगों के बेस्ट बिजनेस आइडिया को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा और उन्हें बिजनेस को शुरू करने के लिए आवश्यक सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस माध्यम से आस-पास की प्रतिभाओं को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा और रोजगार में नवाचारी विचारों का सृजन होगा। इच्छुक प्रतिभागी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर दिए गए लिंक पर 25 जनवरी तक अपने बिजनेस आइडिया के साथ रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। 30 जनवरी को इसके परिणाम की घोषणा की जाएगी।

25 जनवरी तक करा सकते हैं पंजीयन

बिजनेस आइडिया सिलेक्ट हुआ तो सम्मान के साथ मिलेगी आर्थिक मदद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्टार्ट अप सेल ने नेशनल स्टार्ट अप डे के अवसर पर नए उत्पादों और कोविड.19 की समस्या के समाधान पर केंद्रित बिजनेस आइडिया आमंत्रित किए हैं। सेल के समन्वयक प्रो. जीएल पुणताम्बेकर ने बताया कि यह विश्वविद्यालय की नई पहल है। इस प्रतियोगिता में उम्र और योग्यता का कोई बंधन नहीं है।

यह एक खुला आमंत्रण है। इसमें प्रतिभागिता करने वाले लोगों के बेस्ट बिजनेस आइडिया को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा और उन्हें बिजनेस को शुरू करने के लिए आवश्यक सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस माध्यम से आसपास की प्रतिभाओं को एक प्लेटफार्म उपलब्ध होगा और रोजगार में नवाचारी विचारों का सृजन होगा, जो युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर 25 जनवरी तक अपने बिजनेस आइडिया के साथ रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। 30 जनवरी को इसके परिणाम की घोषणा की जाएगी।

विश्वविद्यालयः स्टार्ट-अप इण्डिया के तहत बिजनेस आइडिया आमंत्रित

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के स्टार्ट-अप सेल ने नेशनल स्टार्ट-अप डे के अवसर पर नए उत्पादों और कोविड-19 की समस्या के समाधान पर केंद्रित बिजनेस आइडिया आमंत्रित किये हैं. सेल के समन्वयक प्रो. जी. एल. पुणताम्बेकर ने बताया कि यह विश्वविद्यालय की नई पहल है. इस प्रतियोगिता में उम्र और योग्यता का कोई बंधन नहीं है. यह एक खुला आमंत्रण है. इसमें प्रतिभागिता करने वाले लोगों के बेस्ट बिजनेस आइडिया को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा और उन्हें बिजनेस को शुरू करने हेतु आवश्यक सहायता भी प्रदान की जायेगी. इस माध्यम से आस-पास की प्रतिभाओं को एक प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध होगा और रोजगार में नवाचारी विचारों का सृजन होगा जो युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा. उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर दिए गये लिंक पर 25 जनवरी तक अपने बिजनेस आइडिया के साथ रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. 30 जनवरी को इसके परिणाम की घोषणा की जायेगी।

जयंती पर चर्चा • क्रांतिवीर नेताजी सुभाष चंद्र बोस का भारत प्रेम विषय पर परिचर्चा आयोजित

नेताजी सुभाषचंद बोस से प्रेरित होकर युवा अगर काम करें, तो देश एक दिन जरूर बदलेगा : प्रो. नीलिमा गुप्ता

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के तत्वावधान में ऑनलाइन पराक्रम दिवस का कार्यक्रम हुआ। जिसमें कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र. बोस ने देश के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दिया। रविवार को उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक अद्भुत होलोग्राम इमेज का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। यह देश के शहीदों को नमन करने का अद्भुत उदाहरण है। प्रो. गुप्ता ने कहा कि आज के युवाओं को नेताजी के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। युवा अगर ऐसे नायकों से प्रेरित होकर कार्य करें तो देश जरूर बदलेगा। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर देश की आजादी की लड़ाई में प्रमुख योगदान दिया था। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा जैसे नारों ने आजादी की लड़ाई में पूरे देश को जोड़ने का काम किया। वे एक जोशीले क्रांतिकारी थे। आज का दिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा दिन है जहां से इस बार गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों की शुरूआत की जा रही है। नेताजी के विचार देश के हर नागरिक में देश प्रेम और देश सेवा की भावना जगाते हैं। उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य प्रांत प्रचारक प्रवीण ने दिया। उन्होंने नेताजी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि नेताजी ने सशस्त्र संगठित फौज की स्थापना कर अंग्रेजों से लोहा लिया। मध्य भारत में उनका काफी प्रभाव था। आजादी की लड़ाई में कई ऐसे गुमनाम वीर भी शहीद हुए हैं। आज उनको भी नमन करने का दिन है। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस से जुड़ी हुई कई घटनाओं का जिक्र किया और उनकी वीरगाथा का वर्णन करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अग्रणी भूमिका को विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रो. अर्चना पांडे, प्रो. यूएस गुप्ता, डॉ.कालीनाथ झा एवं संजय पाठक सहित भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारी, मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों के शिक्षक व छात्र ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

सुभाष चन्द्र बोस जैसे व्यक्ति कभी मरते नहीं, विचारों से दिल और दिमाग में सदैव जिंदा रहते हैं : सरोज गुप्ता

सागर | भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत महिला प्रकल्प सागर में परिधि मंडल की संयोजिका रूपा राज के सौजन्य से क्रांतिवीर नेताजी सुभाष चंद्र बोस का भारत प्रेम विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. उषा मिश्रा द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत को पूर्ण स्वराज दिलाने के पक्ष में थे। उनके जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, अभी भी काफी, कुछ अनुत्तरित है, समय आ गया है जब उनके जीवन के सत्य सामने आए उन्हें समुचित सम्मान मिले। कार्यक्रम की विषय प्रवर्तक डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस वह मशाल हैं जो कभी बुझती नहीं। उन्होंने रानी झांसी रेजीमेंट की स्थापना कर तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, दिल्ली चलो का उद् घोष कर कदम कदम बढ़ाए जा जैसे गीतों से सुभाष चन्द्र बोस जैसे व्यक्ति कभी मरते नहीं वरन अपने विचारों से दिल और दिमाग में सदैव आग प्रज्वलित रखते हैं। शोभा सराफ के कहा कि क्रांतिकारी नेता सुभाष चंद्र बोस ने भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया और देश प्रेम का जोश भरने वाले क्रांतिकारी विचारों से युवाओं के अंदर जोश भरा जोशीले नारों से स्वतंत्रता की अलख जगाई। आज हमारे अंदर भी भारत प्रेम की इच्छा जागृत होनी चाहिए। डॉ. प्रीति शर्मा ने कहा कि वीर सैनिक राजनीति के अद् भुत खिलाड़ी सुभाष चंद्र बोस ने जनचेतना में आजादी की महत्ता को बड़ी ही प्रभावशाली तरीके से संप्रेषित किया। पल्लवी सक्सेना ने कहा कि नेताजी की महान राष्ट्रभक्ति और बलिदान के सम्मान में उनके जन्मदिवस 23 जनवरी को 2022 से "पराक्रम दिवस" के रूप में मनाया जाना गर्व की बात है। माधुरी राजपूत ने कहा कि नेताजी ने भारतवासियों से कहा हमारा कर्तव्य है कि बलिदान और परिश्रम से मिली स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाना चाहिए। आराधना रावत ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस उग्रवादी राष्ट्रवादी थे, उनका मानना था कि भगवत गीता अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। इस दौरान शैलबाला, [illegible] केशरवानी, रूपा राज, कविता [illegible], शशि दीक्षित, मृदुला अग्रवाल, [illegible] मिश्रा आदि ने अपने विचार रखे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचार युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं : प्रो.नीलिमा गुप्ता

आचरण संवाददाता।

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय शिक्षण मंडल, महाकौशल प्रांत के तत्वावधान में आयोजित पराक्रम दिवस व्याख्यान में वक्तव्य देते हुए कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने देश के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दिया। आज उनकी 125 वीं जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने एक अद्भुत होलोग्राम इमेज का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। यह देश के शहीदों को नमन करने का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को नेता जी के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। युवा अगर ऐसे नायकों से प्रेरित होकर कार्य करें तो देश जरूर बदलेगा। नेता जी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर देश की आजादी की लड़ाई में अप्रतिम योगदान दिया था। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा जैसे नारों ने आजादी की लड़ाई में पूरे देश को जोड़ने का काम किया। वे एक जोशीले क्रांतिकारी थे। आज का दिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा दिन है जहां से इस बार गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत की जा रही है। नेता जी के विचार देश के हर नागरिक में देश प्रेम और देश सेवा की भावना जगाते हैं। उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य प्रांत प्रचारक प्रवीण ने दिया। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि नेता जी ने सशस्त्र संगठित फौज की स्थापना कर अंग्रेजों से लोहा लिया। सुभाष बाबू को जबलपुर के त्रिपुरी अधिवेशन में अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की थी। मध्य भारत में उनका काफी प्रभाव था।

आजादी की लड़ाई में कई ऐसे गुमनाम वीर भी शहीद हुए हैं। आज उनको भी नमन करने का दिन है। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस से जुड़ी हुई कई घटनाओं का जिक्र किया और उनकी वीरगाथा का वर्णन करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अग्रणी भूमिका को विस्तारपूर्वक बताया। इस कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रो अर्चना पांडे, प्रो यू एस गुप्ता, डॉ कालीनाथ झा, संजय पाठक सहित भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारी, मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों के शिक्षक एवं विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

व्यक्तित्व विकास एक अध्यात्मिक यात्राः प्रो. नीलिमा गुप्ता

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन की रणनीति विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आरंभ डॉ. किरण आर्या के प्रस्तुत वैदिक मंगलाचरण से हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मनुष्य के जीवन में उसके चरित्र की शुचिता उसे महान बना देती है जिससे उसका व्यक्तित्व अनुकरणीय हो जाता है। उन्होंने कहा कि चरित्र का निर्माण एक दिन में नहीं हो जाता है, यह एक सतत साधना से संभव होता है और व्यक्तित्व का विकास एक आध्यात्मिक यात्रा है जो मनुष्य के व्यक्तित्व को व्यष्टि से परमेष्टि तक विस्तारित करती है। विशिष्ट अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नईदिल्ली के चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास प्रकल्प के राष्ट्रीय संयोजक देशराज शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर दिया गया है। इसके समुचित क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि भारतवर्ष के विश्वविद्यालयों में इस विषय से संबधित कार्याशालाओं का आयोजन किया जाए। हिंदी ग्रन्थ अकादमी के निदेशक अशोक कडेल ने कहा कि चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास का पाठ्यक्रम 30 प्रतिशत सैद्धांतिक है।

सुभाष चन्द्र बोस के विचार युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : प्रो.नीलिमा

सागर, देशबन्धु। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय शिक्षण मंडल, महाकोशल प्रांत के तत्त्वावधान में आयोजित पराक्रम दिवस व्याख्यान में वक्तव्य देते हुए कहा नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दिया।आज के युवाओं को नेताजी के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। युवा अगर ऐसे नायकों से प्रेरित होकर कार्य करें तो देश जरूर बदलेगा। वे एक जोशीले क्रांतिकारी थे। आज का दिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। नेताजी के विचार देश के हर नागरिक में देश प्रेम और देश सेवा की भावना जगाते हैं। उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य प्रांत प्रचारक प्रवीण ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। सशस्त्र संगठित फौज की स्थापना कर अंग्रेजों से लोहा लिया। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस से जुड़ी हुई कई घटनाओं का जिक्र किया और उनकी वीरगाथा का वर्णन करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अग्रणी भूमिका को विस्तारपूर्वक बताया। इस कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ,प्रो. अर्चना पांडे, प्रो.यू एस गुप्ता, डॉ.कालीनाथ झा, संजय पाठक सहित भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारी, मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों के शिक्षक एवं विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

भूगोल विषय समस्त विषयों की जननी: प्रो. सुदेश नागिया

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के मानव संसाधन विकास केंद्र और भूगोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित द्विसाप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. सुदेश नागिया, जे. एन यू. (राष्ट्रीय समन्वयक, फैकल्टी रिचार्ज प्रोग्राम यूजीसी, नयी दिल्ली) ने कहा कि भूगोल को समस्त विषयों की जननी कहना अतिशयोक्ति नही होगा. उन्होंने भूगोल विषय की समकालीन चुनौतियों का उल्लेख करते हुए भविष्य में इसकी उपयोगिता एवं अवसरों के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि आज के संदर्भ में समस्त प्रतियोगी परीक्षार्थियों के बीच इस विषय का महत्व दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है. इसलिए यह विषय कभी अप्रासंगिक नहीं होगा। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों से भूगोल और इससे जुड़े विषयों पर नवाचार और शोध कार्य करने पर बल दिया. उन्होंने कहा कि तकनीक के आगमन से इस विषय का महत्व और भूमिका काफी बढ़ गई है. तकनीक ने इस विषय को अन्य कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जोड़ा है. अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. जे डी आही ने सभी प्रतिभागियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट समन्वयक डॉ राकेश सैनी ने प्रस्तुत किया. इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की. समन्वयक परविंदर कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया. केंद्र के निदेशक प्रो. आर टी बेंदरे ने आभार ज्ञापन किया. इस अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. के के एन शर्मा एवं सभी प्रतिभागी मौजूद रहे।

भूगोल समस्त विषयों की जननी : प्रो. सुदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र और भूगोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित द्विसाप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि जेएनयू के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. सुदेश नागिया ने कहा कि भूगोल को समस्त विषयों की जननी कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। उन्होंने भूगोल विषय की समकालीन चुनौतियों का उल्लेख करते हुए भविष्य में इसकी उपयोगिता एवं अवसरों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज के संदर्भ में समस्त प्रतियोगी परीक्षार्थियों के बीच इस विषय का महत्व दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इसलिए यह विषय कभी अप्रासंगिक नहीं होगा। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों से भूगोल और इससे जुड़े विषयों पर नवाचार और शोध कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के आगमन से इस विषय का महत्व और भूमिका काफी बढ़ गई है। तकनीक ने इस विषय को अन्य कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जोड़ा है। कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट समन्वयक डॉ राकेश सैनी ने प्रस्तुत किया।

योग विभाग के विद्यार्थियों ने मंत्रोच्चारण के साथ दी सूर्य नमस्कार की प्रस्तुति

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ सूर्य नमस्कार की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद गौर समाधि प्रांगण में प्रभारी कुलपति प्रो. जनक आही ने ध्वजारोहण किया। बताया जाता है कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को शामिल होना था, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के कारण वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं। वहीं शाम को ऑनलाइन सामूहिक योग अभ्यास की प्रस्तुति हुई, जिसमें स्वामी रामदेव, गोविंद गिरी महाराज, डॉ. जयदीप आर्य आदि ने सहभागिता की।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने की रिसर्च

ट्रांसजेनिक तकनीक से विकसित की आलू की पौध, कैंसर का खतरा कई गुना होगा

पत्रिका एक्सक्लूसिव

आकाश तिवारी
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने ऐसे ट्रांसजेनिक आलू के पौधों को विकसित करने का दावा किया है, जिसका उत्पादन अन्य आलू के पौधों से कई गुना अधिक है। साथ ही इसके आलू के सेवन से लोगों में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा कई गुना कम रहेगा। बताया जाता है कि अन्य आलू के पौधों की तुलना में इस[...] विटामिन बी 6 की मात्रा अधिक पा[...] गई है।

विभाग के शोधार्थियों ने जेनेटि[...] इंजीनियरिंग का उपयोग करते हु[...] विभिन्न पाइरिडोक्सिन, विटामिन बी 6 पाथवे जीनों को अरबिडोप्सिस [...] सरसों के पौधों से पृथक किया औ[...] आलू के पौधे के जीनोम में इन जी[...] को जोड़ दिया गया। ऐसा करने [...] आलू कि एक नई ट्रांसजेनिक प्रजा[...] तैयार हुई है।

> रिसर्च में आलू के पौधों में विटामिन बी की मात्रा अधिक मिली है। इस प्रकार के आलुओं का निर्माण जेनेटिक इंजीनियरिंग तकनीक का उपयोग करके किया है।
>
> **डॉ. चंद्रमा उपाध्याय,** सहायक प्राध्यापक जैव प्रौद्योगिकी विभाग

एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा भी अधिक

शोध के अध्यनों से यह भी पता चला कि इस प्रकार विकसित किए गए ट्रांसजेनिक पौधे विभिन्न जैविक और अजैविक तनाव के प्रति प्रतिरोधक थे। इन पोंधों से प्राप्त आलुओं में न केवल विटामिन बी 6 बल्कि अन्य विभिन्न एंटीऑक्सीडेंट कि मात्रा भी अधिक पाई गई।

गुणात्मक सुधार के संदर्भ में कार्यशाला

नई शिक्षा नीति समाज में श्रम की महत्ता स्थापित करेगी: डॉ. कोठारी

सागर. डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के टीएलसी एवं संयुक्त निदेशक लोक शिक्षण सागर संभाग के संयुक्त उपक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के प्रारंभ में संयुक्त संचालक डॉ. मनीष वर्मा ने उद्देश्यों को स्पष्ट किया। डॉ. वर्मा ने बताया कि विद्यालय शिक्षा विभाग आने वाले समय में इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा नीति को क्रियान्वित करेगा। उन्होंने टीएलसी के सहयोग से मासिक पत्रिका प्रकशित करने की बात कही। स्कूली शिक्षा के प्रावधानों एवं चुनौतियों पर आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली डॉ. अतुल कोठारी ने संभाग के प्राचार्यों, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह शिक्षा नीति बच्चों के बस्ते का बोझ कम करते हुए उसे सृजनात्मक, जिज्ञासु, नवाचारी एवं वैचारिक बनाने का संकल्प पत्र है। यह शिक्षा नीति भारत केन्द्रित है, जहाँ अब विचार, कार्य व्यवहार और बौद्धिकता में भारतीयता का समावेश किया जाएगा। यह शिक्षा नीति कौशल और शिक्षा को एक साथ आगे बढाती है। विद्यालय स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कौशल विकास किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यह शिक्षा नीति एक नए वैश्विक अर्थ. तंत्र का निर्माण करेगी, जहाँ बच्चे की मातृभाषा उसके लिए ज्ञान का नवाचारी संसाधन बन सकेगा। उन्होंने बताया कि विद्यालयी शिक्षा के बेहतर विकास के लिए डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सदैव तत्पर है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष गोस्वामी ने किया। कार्यक्रम में 1100 प्रतिभागियों ने सहभागिता दी। कार्यक्रम में आभार डॉ.संजय शर्मा समन्वयक टीएलसी ने माना।

देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करें

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में गौर समाधि प्रांगण में प्रभारी कुलपति प्रो. जनक दुलारी आही ने ध्वजारोहण किया और तदुपरांत राष्ट्रगान हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। प्रो. जनकदुलारी आही ने कहा कि 26 जनवरी हमारे लिए सिर्फ़कैलेण्डर का एक तारीख मात्र नहीं है बल्कि यह हमारे देश की सम्प्रभुता, अखण्डता और आत्मनिर्भरता के उद्घोष का ऐतिहासिक दिन है। इस दिन हमारे देश ने अपने महान संविधान को अंगीकार किया था। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडारोहण के पश्चात योग शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के गौर समाधि प्रांगण में सूर्य नमस्कार मंत्र उच्चार के साथ सामूहिक अभ्यास किया गया। योग शिक्षा विभाग में ऑनलाइन सहभागिता और प्रात:कालीन सामूहिक कार्यक्रम में योग शिक्षा विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर गणेश शंकर गिरी, प्रोफेसर अस्मिता गजभिए, डॉ अरुण कुमार, डॉ नितिन कोरपाल, डॉ बृजेश ठाकुर, प्रज्ञा साव आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति समग्रता की बात करती है : कोठारी

ऑनलाइन कार्यशाला का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन,प्रावधान एवं चुनौतियां विषय पर सागर संभाग के विद्यालयीन शिक्षा से जुड़े हुए प्राचार्यों, अकादमिक समन्वयकों, डाइट फेकल्टी एवं अधिकारियों सहित 1218 प्रतिभागियों की ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न हुई। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल भाई कोठारी ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समग्रता की बात करती है। समग्रता की दृष्टि ही भारतीयता की दृष्टि है। विगत 150 वर्षों में अलग- अलग दृष्टिकोण होने से वर्तमान में समग्रता की दृष्टि लाना चुनौती है। वर्तमान शिक्षा पद्धति में रटने की प्रवृत्ति व बस्ते का बोझ ज्यादा है।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा बच्चे की रूचि पहचान कर उसे पढ़ाना चाहिए, जिससे उसे पढ़ने में मजा आए, बच्चे का टैलेंट ढूढ़कर उसे प्रोत्साहित करना चाहिये। भारतीय विद्यार्थी भारत में ही कार्य करें, पढ़ाई करें, अपनी शिक्षा पर गर्व करें, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन बातों का प्रावधान किया गया है।

शिक्षा नीति 2020 के सदस्य व आंध्रप्रदेश जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टी.वी.कट्टीमनी ने कहा अंग्रेजी में विद्या नहीं है, विद्या हिन्दी, संस्कृत, क्षेत्रीय बोलियों के माध्यम से आती है। विश्व परिदृश्य पर चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि विदेश के नेता जब भी चर्चा करते हैं, वे अपनी डच, जर्मनी, फ्रेन्च भाषा में ही बात करते हैं, अंग्रेजी में नहीं। हमें भी हमारी मातृभाषा व क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिये।

राष्ट्रीय विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो.चंद्रभूषण शर्मा ने कहा शिक्षा जीवन बदलती है। शिक्षा को केवल नौकरी से जोडकर नहीं देखा जाना चाहिए। विद्यालयी शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसी स्वायत्त संस्था बननी चाहिये।

कार्यशाला के प्रमुख शिल्पकार संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग डॉ. मनीष वर्मा ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बातें जन-जन तक पहुंचाने के लिए जनपद शिक्षा केन्द्र, संकुल केन्द्र, विद्यालय स्तर पर शिक्षकों, बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की कार्यशालाओं का आयोजन किया जावे। एक बोध-कथा के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सार को समझाया जो उल्लेखनीय था।

कार्यशाला के प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन व परिचय डॉ.सतीश ने दिया। प्रत्येक सत्र का संचालन व अतिथि परिचय क्रमश: डॉ.धीरेन्द्र कुमार मिश्रा, डॉ.आशुतोष गोस्वामी, डॉ.विवेक जायसवाल, आर.के.वैष ने किया। आभार डॉ.संजय शर्मा ने व्यक्त किया।

कोरोना संकट शिक्षक की भांति हमारे भविष्य को आकार दे रहा है: प्रो. गुप्ता

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, मानव संसाधन विकास केंद्र और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कोविड महामारी के प्रति जागरूकता एवं सजगता के संदर्भ में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता के तौर पर जम्मू यूनिवर्सिटी के जूलॉजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कादंबरी गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में कोरोना संकट शिक्षक की भांति हमारे भविष्य को आकार दे रहा है। मानव जीवन के सभी आयामों को इस महामारी ने प्रभावित किया है। यह हमारे जीवन में शिक्षक की भांति बदलाव ला रहा है। विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कोविड महामारी के कारण से हम एक बार फिर पारिवारिक मूल्यों को जी रहे है। आज प्राकृतिक स्वास्थ्य के प्रति समाज का नजरिया बदला है।अब हमने अपनी स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या को सुधार लिया है। शारीरिक व्यायाम अब एक अनिवार्य कार्य में बदल रहा है।कार्यक्रम में दीपेन्द्र उपाध्याय एनएसएस के युवा अधिकारी, युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार ने विश्वविद्यालयी की इस पहल को अनुकरणीय बताया। सागर विश्वविद्यालय के द्वारा बच्चों को सजग एवं जवाबदेह बनाने के लिए इस तरह के ऑनलाइन व्याख्यान बहुत प्रभावी होते है। कार्यक्रम में एचआरडीसी के निदेशक डॉ. बेद्रे, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. विवेक जायसवाल, एनएसएस के स्वयं सेवकों सहित शिक्षक, शोधार्थी आदि सहभागिता कर रहे थे।

पर लगातार लापरवाही देखी जा रही है।

समग्रता की दृष्टि भारतीयता की दृष्टि है: अतुल कोठारी

जागरण न्यूज, सागर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर हुई ऑनलाइन कार्यशाला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन, प्रावधान एवं चुनौतियां विषय पर सागर संभाग के विद्यालयीन शिक्षा से जुड़े हुए प्राचार्यों,अकादमिक समन्वेयकों, डाइट फेकल्टी एवं अधिकारियों सहित 1218 प्रतिभागियों की ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न हुई। विद्यालयी नेतृत्व के लिए कार्यशाला का आयोजन संयुक्त रूप से संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग सागर व समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केन्द्र, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वारा किया गया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में अतुल भाई कोठारी राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्लीद्ध प्रो. टीवी कट्टीमनी सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, प्रो चन्द्र भूषण शर्मा, प्रो. अविनाश कुमार सिंह, डॉ. मनीष वर्मा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग ने अपने प्रमुख वक्तव्य के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को स्पष्ट किया। लोक शिक्षण संभाग सागर के समन्वयक संयुक्त संचालक डॉ. मनीष वर्मा एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा की पहल पर हुए इस आयोजन से बहुत सारे सवालों का उत्तर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल भाई कोठारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समग्रता की बात करती है। समग्रता की दृष्टि ही भारतीयता की दृष्टि है। विगत 150 वर्षों में अलग-अलग दृष्टिकोण होने से वर्तमान में समग्रता की दृष्टि लाना चुनौती है। वर्तमान शिक्षा पद्धति में रटने की प्रवृत्ति व बस्ते का बोझ ज्यादा है। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति खेल-खेल में गतिविधियों, सृजनात्मक नवाचार, शोधवृत्ति के विकास पर जोर देती है। कक्षा 6 से ही व्यवहारिक विषय अनिवार्य किये जा रहे है। व्यवसायिक विषयों को समाहित कर कक्षा 9 से ही विषय चुनने की स्वतंत्रता दी जा रही है। विद्यार्थी केन्द्रित नीति होने से अब बच्चे विज्ञान के साथ संस्कृत व कला के विषय ले सकेंगे। कक्षा 9 से 12 के बीच उन्हे इन्टर्नशिप का मौका भी मिलेगा। इसका क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण है जिसे शिक्षकों को पूर्ण करना होगा। इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बेहतर क्रियान्वयन से हम आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। इस हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है, जिसके लिए विद्यालय स्तर पर बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों एवं बच्चों के अभिभावकों के लिए आयोजन किए जाने चाहिए तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रमुख प्रावधानों पर प्रथक-प्रथक चर्चा करके प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति बनाई जानी चाहिए।

कार्यशाला के प्रमुख शिल्पकार संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग डॉ. मनीष वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बातें जन-जन तक पहुंचाने के लिए जनपद शिक्षा केन्द्र, संकुल केन्द्र, विद्यालय स्तर पर शिक्षकों बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की कार्यशालाओं का आयोजन किया जावे।

नवाचारों का पृथक डिजिटल प्लेटफार्म बने: प्रो. नीलिमा गुप्ता

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि बच्चे की रूचि पहचान कर उसे पढ़ाना चाहिए, जिससे उसे पढ़ने में मजा आए, बच्चे का टैलेंट ढूढ़कर उसे प्रोत्साहित करना चाहिये। भारतीय विद्यार्थी भारत में ही कार्य करें, पढ़ाई करें, अपनी शिक्षा पर गर्व करें, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन बातों का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि माताओं के द्वारा गर्भ में ही ऐसे संस्कार दिये जाएं जिससे बच्चा संस्कारी पैदा हो। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कियान्वयन हेतु विद्यालय स्तर पर किए जाने वाले नवाचारों का जिला स्तर पर पृथक डिजीटल प्लेटफार्म/ग्रुप तैयार हो, जिससे कि अच्छे कार्यों एवं नवाचारों का सभी लाभ उठा सकें। कार्यशाला को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासनिक संस्थान नई दिल्ली के प्रो. अविनाश कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कियान्वयन हेतु विद्यालयी शिक्षा में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यालयी शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश करने पर जोर दिया। इसके उपरांत शिक्षाविद् डॉ. अजय कुमार चौबे, अध्यक्ष पाठ्यचर्या निर्माण समिति एससीईआरटी दिल्ली के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप पाठ्यक्रम से संबंधित नवीनीकरण हेतु प्रतिभागियों को सुझाव दिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर हुई आनलाइन कार्यशाला

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन,प्रावधान एवं चुनौतियां विषय पर सागर संभाग के विद्यालयीन शिक्षा से जुड़े हुए प्राचार्यों, अकादमिक समन्वयकों, डाइट फेकल्टी एवं अधिकारियों सहित 1218 प्रतिभागियों की आनलाइन कार्यशाला का आयोजन विगत दिवस किया गया। विद्यालयी नेतृत्व के लिए कार्यशाला का आयोजन संयुक्त रूप से संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग सागर व समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केन्द्र, डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में अतुल भाई कोठारी (राष्ट्रीय सचिव- शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास,नई दिल्ली) प्रो. टी.वी. कट्टीमनी सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, प्रो चन्द्र भूषण शर्मा, प्रो. अविनाश कुमार सिंह, डा. मनीष वर्मा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग ने अपने विचार रखे।

विश्वविद्यालय रोड के पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण

गौर पथ बना हम धन्य महसूस कर रहे: सिंह

सागर (आरएनएन)। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत 4 करोड़ 47 लाख रूपए लागत के विश्वविद्यालय रोड के पुर्नविकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गौर पथ को लोकार्पित करके हम स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं कि हम डॉ. गौर द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय के लिए कुछ कर सके। आज हम जो भी हैं, डॉ. गौर के कारण ही इस लायक बने हैं। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि डॉ सर हरीसिंह गौर की बनाई यह भूमि विश्व के लिए एक पहचान है। डॉ. गौर चाहते तो देश में कहीं पर भी विश्वविद्यालय बना सकते। परन्तु उन्होंने अपनी जन्मभूमि सागर को चुना। क्योंकि बुंदेलखण्ड पिछड़ा और गरीब था। यहां के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने अपनी जीवन भर की कमाई से यह विश्वविद्यालय बनाया। हम इसी विश्वविद्यालय से पढ़े हैं। जीवन का बड़ा हिस्सा इस विश्वविद्यालय में गुजरा। राजनीति में आज जहां हूं, उसकी पाठशाला विश्वविद्यालय का छात्रसंघ ही रहा है। डॉ. सर हरीसिंह गौर के लिए कुछ कर पायें, तभी हमारा जीवन सफ ल होगा। इस विश्वविद्यालय में देश भर से छात्र पढ़ने आते है। इस सड़क के निर्माण से विश्वविद्यालय परिसर और सुंदर हो गया है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में सागर को स्थान मिला है, आने वाले समय में सागर मध्यप्रदेश सुंदर शहरों में गिना जाएगा। सागर तेजी से विकास में आगे बढ़ रहा है। यह बहुत प्रसन्नता का विषय है। कार्यक्रम में सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, कलेक्टर दीपक आर्य, एसपी तरूण नायक, नगर निगम कमिश्नर आरपी अहिरवार, स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह, रजिस्ट्रार यूटीडी संतोष सहगोरा, भाजपा नेता सुशील तिवारी सहित अनेक नागरिक, भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वीसी बंगला से विवि तक के गौर-पथ का लोकार्पण

हम सब की पहचान सर गौर के कारण ही है: मंत्री सिंह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. सागर समेत हम सब की पहचान डॉ. सर हरीसिंह गौर के कारण ही है। यह गौर साहब का ही योगदान है कि हम सब लोग कुछ कर पाने लायक बने हैं। डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि तक बनाई गई सड़क सुंदर और सुव्यवस्थित सड़क है और यह हमारे विश्वविद्यालय की शान और बढ़ाएगी। यह बात नगरीय विकास व आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने रविवार शाम डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय परिसर में गौर-पथ का लोकार्पण करते हुए कही। कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि 4.47 करोड़ रुपए की लागत से बना सुंदर और सुव्यवस्थित गौर-पथ डॉ. हरीसिंह गौर के सपने को साकार करने जैसा है। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि सागर महानगर की तर्ज पर विकसित होगा। इससे पहले डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगोरा ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के संदेश का वाचन किया। उन्होंने बताया कि अस्वथ्यता के कारण कुलपति उपस्थित नहीं हो सकीं हैं। इस अवसर पर सांसद राजबहादुर सिंह, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. सुशील तिवारी, शैलेष केसरवानी,लक्ष्मण सिंह, जगन्नाथ गुरैया, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक, निगमायुक्त आरपी अहिरवार, सीइओ राहुल सिंह उपस्थित रहे।

लोकार्पण। स्मार्ट सिटी ने 4.47 करोड़ की लागत से बनाई सागर की सबसे सुंदर और सुव्यवस्थित सड़क

गौर पथ का लोकार्पण: सागर के साथ हम सब की पहचान डॉक्टर गौर के कारण ही : मंत्री भूपेंद्र सिंह

आचरण संवाददाता।

सागर। सागर के साथ हम सब की पहचान डॉ. हरीसिंह गौर के कारण ही है। यह गौर साहब का ही योगदान है कि हम सब लोग कुछ कर पाने लायक बने हैं। सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा बनाई गई इस सुंदर और सुव्यवस्थित सड़क से हमारे विश्वविद्यालय की शान और बढ़ेगी। ये बातें नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने रविवार शाम डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय परिसर में गौर-पथ का लोकार्पण करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि राजनीति में आज जो कुछ भी हूं, इसी विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण के दौरान के संघर्षों के कारण ही हूं। अब गौर-पथ बनने से हमारे विवि का महत्व और भी बढ़ गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने ही तय किया कि हमारे शहर स्मार्ट बने, लोगों की सोच स्मार्ट हो। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर का चयन स्मार्ट सिटीज में कराया।

मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र का विकास किया गया है। मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि सागर अब सुंदर और व्यवस्थित शहरों में गिना जाएगा। उन्होने कहा कि स्वच्छता में भी सागर को एक नंबर पर लाना है। इसके लिए सभी को प्रयास करने होंगे। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय में आयोजित स्मार्ट सिटी के माध्यम से 4.47 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 1.3 किमी की सड़क पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण के लोकार्पण कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक आर्य एवं पुलिस अधीक्षक तरुण नायक की सराहना की।

इससे पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि 4.47 करोड़ रुपये की लागत से बना सुंदर और सुव्यवस्थित गौर-पथ डॉ. हरि सिंह गौर के सपने को साकार करने जैसा है।

उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि सागर महानगर की तर्ज पर विकसित होगा और कोई भी सड़क गौर-पथ से कमतर नहीं होगी। उन्होंने मंच से ही कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का आभार जताते हुए कहा कि वे विकास के हर काम में पूरा सहयोग कर रही हैं। उनके सहयोग से गौर भवन के पास गौर स्मारक का निर्माण भी किया जाएगा, लेकिन इसके लिए जमीन का अधिग्रहण या हस्तांतरण नहीं होगा। विधायक जैन ने कहा कि गौर साहब को भारत रत्न मिलना चाहिए। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि मंत्री भूपेन्द्र सिंह और विधायक शैलेन्द्र जैन के प्रयासों से विश्वविद्यालय परिवार और शहर के लिए गौर-पथ के रूप में बड़ी सौगात मिली है। अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इसे सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि सागर महानगरों की राह में तेजी से बढ़ रहा है। इससे पहले डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगौरा ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के संदेश का वाचन किया। उन्होंने बताया कि अस्वस्थता के कारण कुलपति इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सकी हैं। उन्होंने अपने संदेश में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और स्मार्ट सिटी का आभार जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को इतना सुंदर परिसर और गौर-पथ देकर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। इस कार्य से विश्वविद्यालय परिवार और नागरिकों के संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे। उन्होंने कहा कि गौर-पथ इस विश्वविद्यालय के माथे पर तिलक की तरह है।

स्वागत भाषण नगर निगम आयुक्त आरपी अहिरवार ने दिया, कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद जैन ने किया। आभार स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह राजपूत ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सांसद राज बहादुर सिंह, डॉ. सुशील तिवारी, डॉ अनिल तिवारी, शैलेष केशरवानी, डॉ. प्रदीप पाठक, लक्ष्मण सिंह, जगन्नाथ गुरैया, अनुराग प्यासी, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक तरुण नायक, ननि आयुक्त आरपी अहिरवार, स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह राजपूत, हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगोरा, रजत गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी मौजूद थे। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय रोड का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने कराया है। गौर-पथ की लंबाई- 1.3 किमी और चौड़ाई- 14 मीटर है। इसकी लागत- 4.47 करोड़ रुपये है। इस सड़क को चौड़ा किया गया, पाइप लाइन शिफ्ट करके लीकेज की समस्या दूर की गई। सड़क पर लेन मार्किंग की गई। कैट आई और स्प्रिंग पोस्ट भी लगाए गए। पाथ-वे पर पेवर ब्लाक लगाए गए। पहाड़ी का कटाव रोकने के लिए रिटेनिंग वॉल बनाई गई। रिटेनिंग वॉल पर डा. हरीसिंह गौर के सजीव म्यूरल्स लगाए गए हैं। इसके अलावा विशेष आर्ट के तहत सुंदर आकृतियां लगाई गई हैं। इन पर लाइट इफेक्ट भी दिया गया है। सड़क के दोनों ओर विशेष हाइब्रिड स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं, जो बिजली और सोलर लाइट दोनों से जलती है। घाटी के ऊपर गौर साहब की प्रतिमा के पास सनसेट सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। बीच घाटी में सागर द गौर सिटी सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। इसके अलावा पेड़ों की छांव में एक सिटआउट एरिया भी विकसित किया गया है। विश्वविद्यालय का आकर्षक प्रवेश द्वार निर्मित किया गया है। सड़क के दोनों तरफ लैंडस्केपिंग की गई है। यहां ग्रीनरी, पौधरोपण कर आकर्षक बनाया गया है।

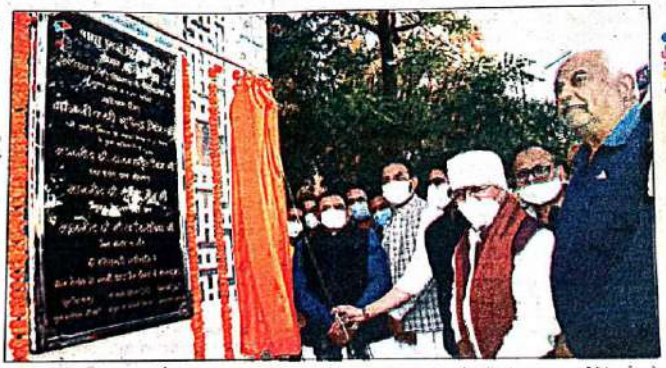

व्याख्यान महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर ऑनलाइन व्याख्यान का हुआ आयोजन

गांधी का बलिदान हमें आत्मावलोकन की दृष्टि देता है : प्रो. विश्वनाथ

आचरण संवाददाता।

सागर। महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया. भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली एवं टीएलसी,डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत , स्वाधीनता का मूल्यबोध व्याख्यानमाला में 'हे राम, स्वाधीनता का अंतर्नाद' विषय पर व्याख्यान द्वारा बापू को श्रद्धांजलि दी गई। बापू के प्रिय भजन 'वैष्णवजन' के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत की गई. प्रो.अम्बिकादत्त शर्मा ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वाधीनता का मूल्यबोध व्याख्यानमाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की आधुनिक पी?ी को भारत की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित केवल भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के मूल्यबोध के माध्यम से ही कराया जा सकता है. गांधी के लिए आ?ादी एक साधन थी साध्य नहीं थी.आ?ादी के बाद एकआत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण करना गांधी का अभीष्ट था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ.राजीव कुमार सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला के आयोजन में टीएलसी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की भूमिका सराहनीय है जिसने संयुक्त रूप से इस व्याख्यान को आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध राजनीतिविज्ञानी एवं भारतीय राष्ट्रवाद के अध्येता डॉ. विश्वनाथ ने स्वाधीनता के आत्मावलोकन विषय पर गांधी के 'हे राम'को महत्वपूर्ण आयाम माना. गांधी ही पूरी दुनिया में एक ऐसे सत्ता परिवर्तक थे, जिन्होंने सत्य और अहिंसा के माध्यम से जनसामान्य को प्रभावित कर संगठित किया. गांधी ने आ?ादी के लिए भारतीय वेदान्तिक मूल्यों को आधार बनाते हुए राम के आदर्श को अपनाया. ज्ञान, भक्ति और कर्म के माध्यम से राम के जीवन से जुडी सभी मुख्य बातों को भारत की आ?ादी के आन्दोलन में शामिल किया. इसी कारण भारत की आ?ादी की ल?ाई पूरी दुनिया में अनूठी है, जिसमेंसत्य और अहिंसा के मूल्य पूरी मानवता को दिशा देते है. भारत की आ?ादी , केवल भारत की ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व की आधुनिकता और तकनीकीकरण के खिलाफ आ?ादी थी. गांधी की ल?ाई समन्वयात्मक ल?ाई थी, जिसमे उन्होंने सम्पूर्ण भारत को एकीकृत किया. इसी संदर्भ में प्रो. विश्वनाथ ने बताया कि गांधी के राम, जनमानस के आदर्श है. गांधी ने राम के मूल्यों को ही आत्मसात किया था. जो उनका रामराज्य है. कार्यक्रम में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली की अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा, सागर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, नीदरलैंड से प्रो. मोहनकांत गौतम प्रो. निवेदिता मित्र, प्रो. यू.एस. गुप्ता, प्रो.भवतोष गुरु, डॉ. संजय शर्मा, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी सहित देशभर के कई लोग जु? हुए थे। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. आशुतोष ने किया, और आभार विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना.

74वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

'गांधी जी का बलिदान देता है आत्मावलोकन की दृष्टि'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

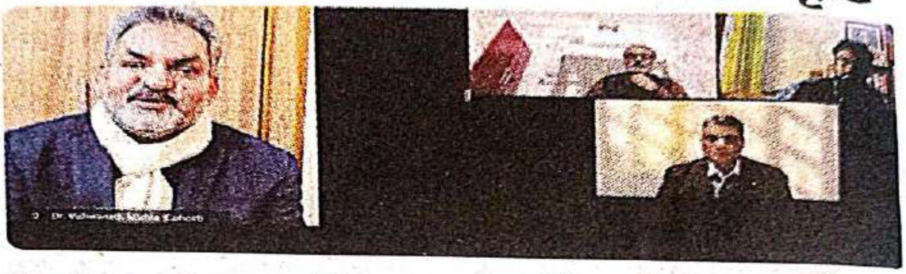

सागर. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली एवं टीएलसी डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वाधीनता का मूल्यबोध व्याख्यानमाला में हे राम स्वाधीनता का अंतर्नाद विषय पर व्याख्यान द्वारा बापू को श्रद्धांजलि दी गई।

प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि भारत की आधुनिक पीढ़ी को भारत की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित केवल भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यबोध के माध्यम से ही कराया जा सकता है। ाष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थानए नई दिल्ली के निदेशक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला के आयोजन में टीएलसी डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की भूमिका सराहनीय है, जिसने संयुक्त रूप से इस व्याख्यान को आयोजित किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध राजनीतिविज्ञानी एवं भारतीय राष्ट्रवाद के अध्येता डॉ. विश्वनाथ ने स्वाधीनता के आत्मावलोकन विषय पर गांधी के हे राम को महत्वपूर्ण आयाम माना। गांधी ही पूरी दुनिया में एक ऐसे सत्ता परिवर्तक थे, जिन्होंने सत्य और अहिंसा के माध्यम से जनसामान्य को प्रभावित कर संगठित किया।

कांग्रेस ने किया याद

सागर. जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष रेख चौधरी ने शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ गांधी प्रतिमा पर पुष्पमाला चढ़ाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने हिंसामुक्त भारत के नवनिर्माण का संकल्प लिया। पुरानी गल्लामंडी स्थित गांधी प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर शहर अध्यक्ष चौधरी पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे, प्रमिला सिंह राजपूत, रमाकांत यादव, दीनदयाल तिवारी, शरद पुरोहित, आशीष ज्योतिषी, महेश समेत अन्य ने गांधीजी को याद किया और उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मानव जीवन के सभी आयामों को इस महामारी ने प्रभावित किया है

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई मानव संसाधन विकास केंद्र और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में कोविड महामारी के प्रति जागरूकता एवं सजगता के संदर्भ में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर जम्मू यूनिवर्सिटी के जूलॉजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कादंबरी गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में कोरोना संकट शिक्षक की भांति हमारे भविष्य को आकार दे रहा है। मानव जीवन के सभी आयामों को इस महामारी ने प्रभावित किया है। यह हमारे जीवन में शिक्षक की भांति बदलाव ला रहा है। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति के साथ एक गहरा संबंध बनाकर रखना होगा। मनुष्य ने हमेशा संकट को अवसर के रूप में बदला हैए इस महामारी ने हमे सामाजिक मूल्यों एवं मान्यताओं के प्रति पुनरू जोड़ा है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि कोविड महामारी के कारण से आह हम एक बार फिर पारिवारिक मूल्यों को जी रहे है। आज प्राकृतिक स्वास्थ्य के प्रति समाज का नजरिया बदला है।

मानव जीवन के सभी आयामों को इस महामारी ने प्रभावित किया है

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई मानव संसाधन विकास केंद्र और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में कोविड महामारी के प्रति जागरूकता एवं सजगता के संदर्भ में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर जम्मू यूनिवर्सिटी के जूलॉजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कादंबरी गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में कोरोना संकट शिक्षक की भांति हमारे भविष्य को आकार दे रहा है। मानव जीवन के सभी आयामों को इस महामारी ने प्रभावित किया है। यह हमारे जीवन में शिक्षक की भांति बदलाव ला रहा है। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति के साथ एक गहरा संबंध बनाकर रखना होगा। मनुष्य ने हमेशा संकट को अवसर के रूप में बदला हैए इस महामारी ने हमे सामाजिक मूल्यों एवं मान्यताओं के प्रति पुनरू जोड़ा है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि कोविड महामारी के कारण से आह हम एक बार फिर पारिवारिक मूल्यों को जी रहे है। आज प्राकृतिक स्वास्थ्य के प्रति समाज का नजरिया बदला है।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in